संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 69
पृष्ठ 8
गुरूवार
26 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिर्फ कमजोरी नहीं, शरीर में...

विचार- भारत-नेपाल के बीच नयी शुरुआत

खेल- एशिया कप राइजिंग स्टार्स : श्रीलंका...

एडवांस्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब मेरठ : योगी



मेरठ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्रांति और वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे की कड़ी में बुधवार को एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में वैश्विक दिग्गज बॉल कॉर्पोरेशन की नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का शिलान्यास किया। 2,900 करोड़ से अधिक के भारी–भरकम निवेश से स्थापित होने जा रही एल्युमिनियम बेवरेज कैन की विश्वस्तरीय इकाई के भूमिपूजन अवसर पर मुख्यमंत्री ने बॉल कॉर्पोरेशन की टीम का आभार जताते हुए कहा कि यह प्लांट आत्मनिर्भर भारत–आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशश और विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने प्रदेश में आ रहे निवेश की निरंतरता का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले सीएनएच इंडस्ट्रियल के 1,200 करोड़ से अधिक के नए प्लांट का भूमिपूजन हुआ, दो दिन पूर्व ताइवान की क्रिएटिव सेंसर के साथ 1,100 करोड़ से अधिक के निवेश पर सार्थक संवाद हुआ और आज मेरठ में बॉल कॉर्पोरेशन का शिलान्यास हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का जीवंत प्रमाण है।यह परियोजना क्षेत्र के लिए एक श्एंकर यूनिटश के रूप में कार्य करेगी, जिससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। स्थानीय एमएसएमई, पैकेजिंग सप्लायर्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट और रीसाइक्लिंग पार्टनर्स के लिए व्यापार के नए द्वार खुलेंगे। ओडीओपी स्पोर्ट्स गुड्स के लिए मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी हो रहा है और अब स्पोर्ट्स व पारंपरिक उद्योगों के साथ मेरठ एडवांस्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, दिल्ली–एनसीआर व 25,000 हेक्टेयर के यीडा क्षेत्र, जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निकटता तथा ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की पहुंच मेरठ को तेज, निर्बाध और वर्ल्ड–क्लास मल्टी–मोडल कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए उद्योग, निवेश और लॉजिस्टिक्स के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत में सॉफ्ट ड्रिंक्स, जूस, एनर्जी ड्रिंक्स और रेडी–टू–ड्रिंक बेवरेज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए मेरठ की यह लोकेशन बॉल कॉर्पोरेशन को अपने ग्राहकों और फिलिंग सुविधाओं के निकट रहकर पूरे भारत व वैश्विक बाजार में अपने बिजनेस को तेजी से विस्तार देने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। यीडा क्षेत्र में सिंगापुर, जापान और ताइवान सिटी के माध्यम से वैश्विक कंपनियों, उनकी आधुनिक तकनीक और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को प्रदेश में आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक छलांग का लेखा–जोखा भी प्रस्तुत किया। कभी श्बीमारूश कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश का बजट, जीएसडीपी, प्रति व्यक्ति आय पर और महिला श्रम बल भागीदारी आज 2017 के सापेक्ष तीन गुना हो चुकी है। आज उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है, जो ध्2 लाख करोड़ से अधिक के वार्षिक कैपेक्स के साथ देश का सर्वाधिक कैपेक्स वाला राज्य बना हुआ है और बॉटम फाइव से निकलकर देश की टॉप–3 इकोनॉमी में शामिल हो चुका है। औद्योगिक विकास के आंकड़े साझा करते हुए सीएम ने बताया कि आजादी के बाद लगभग 70 वर्षों 2017 तक में उत्तर प्रदेश में 14,000 फैक्ट्रियां ही लग पाई थीं, यानी एक वर्ष में औसतन मात्र 200 फैक्ट्रियां। यदि 2017 से पहले वाली इसी धीमी रफ्तार से काम होता, तो इन साढ़े नौ वर्षों में मुश्किल से 1700–1800 नई फैक्ट्रियां ही जुड़ पातीं। लेकिन डबल इंजन सरकार ने मजबूत लॉ एंड ऑर्डर, सीमलेस कनेक्टिविटी, वर्ल्ड–क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और इंडस्ट्री–रेडी वर्कफोर्स के दम पर साढ़े नौ वर्षों में प्रति वर्ष औसतन 2,200 से अधिक नई इकाइयां जोड़कर 21,000 से अधिक नई फैक्ट्रियां स्थापित कीं, जिससे आज प्रदेश 35,000 से अधिक फैक्ट्रियों के साथ देश का इंडस्ट्रियल पावरहाउस बन चुका है।

असम के सिलचर में बनेगा दो हजार करोड़ की लागत से नया एयरपोर्ट

मोदी कैबिनेट की मंजूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी कैबिनेट ने बुधवार को असम के सिलचर में 2,014 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए एयरपोर्ट बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि सिलचर के डोलू में प्रस्तावित नए एयरपोर्ट पर व्यस्ततम समय में 800 यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी। इसकी सालाना यात्री क्षमता 10. 1 लाख होगी। फिलहाल सिलचर एयरपोर्ट का स्वामित्व भारतीय वायुसेना और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पास है। वहां 70 एकड़ में फैले हिस्से से नागरिक विमान सेवाओं का संचालन होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गई। इस प्रोजेक्ट पर 2,014 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसके लिए वित्त का इंतजाम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) अपने आंतरिक संसाधनों से करेगा। वैष्णव ने कहा कि नया एयरपोर्ट बराक घाटी और आसपास के पूर्वोत्तर क्षेत्र को हवाई संपर्क उपलब्ध कराने के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा।

डाकघरों के आधुनिकीकरण के लिए 1,141 करोड़ रुपये मंजूर

इसके अलावा भी मोदी कैबिनेट में कई अहम फैसले लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पांच साल में डाकघरों के आधुनिकीकरण के लिए 1,141 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं से कहा कि डाक विभाग को मंजूर की गई इस राशि का इस्तेमाल डाक नेटवर्क के आधुनिकीकरण के साथ–साथ चिट्ठी–पत्री और पार्सल सेवाओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंजूर परियोजनाओं में ग्रामीण डाकघरों का उन्नयन, डाक और पार्सल के परिवहन एवं वितरण की मध्यवर्ती लॉजिस्टिक व्यवस्था को मजबूत करना तथा सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाना शामिल है।

सवैधानिक सत्ता का सबसे बड़ा अपमान: दीपम विवाद पर भाजपा का विपक्ष पर हमला, कहा- ये हिंदू धर्म के खिलाफ साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को इंडिया गठबंधन और तमिलनाडु सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मदुरै की तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित विवादित दीपथून पत्थर के खंभे पर कार्तिगई दीपम के तहत एक बार प्रतीकात्मक रूप से दीपक जलाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए त्रिवेदी ने कहा, आज मैं आपका ध्यान उस बात की ओर



खींचना चाहता हूं, जिसे हम इंडिया गठबंधन और तमिलनाडु सरकार की ओर से किया गया सबसे बड़ा संवैधानिक उल्लंघन मानते हैं। कल कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर, तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें कुछ शर्तों के साथ केवल एक दिन के लिए श्कार्तिगई दीपमश जलाने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न तो माना और न ही लागू किया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे हमेशा संविधान की किताब तो दिखाते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करते। उन्होंने कहा, ष्मैं इंडिया गठबंधन, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं। आप हमेशा संविधान को अपनी जेब में रखने की कोशिश करते हैं, और अब आप सुप्रीम कोर्ट – जो संविधान का संरक्षक है – के फैसले को मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

करुणा ही चिकित्सा सेवा का मूल आधार

होम्योपैथी संस्थान से राष्ट्रपति ने डॉक्टरों को क्या संदेश दिया?

भुवनेश्वर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के सबसे पुराने होम्योपैथी संस्थान के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भले ही तकनीक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदल दे, लेकिन चिकित्सा सेवा प्रदान करने का आधार हमेशा श्करुणाश ही होनी चाहिए। डॉ. अभिन्न चंद्र होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में होम्योपैथी पर आयोजित श्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनश में शामिल होते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा की हर प्रणाली को उच्च स्तरीय वैज्ञानिक जांच से गुजरना चाहिए। इस कार्यक्रम में होम्योपैथिक कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के अलावा, ओडिशा के राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और पूरे भारत से आए अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। मुर्मू ने कहा, हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक भले ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदल दे, लेकिन करुणा ही इसका मूल आधार बनी रहनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा से जुड़ा कोई भी निर्णय लेते समय मरीजों की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सर्वोपरि रखना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य मरीज के कष्टों को कम करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने कहा, मरीज का इलाज करते समय डॉक्टरों को यह समझना चाहिए कि उनके सामने एक ऐसा इंसान है, जिसकी अपनी उम्मीदें, डर और गरिमा है। मुर्मू ने यह भी कहा कि चिकित्सा पेशे के लिए केवल शैक्षणिक योग्यता ही काफी नहीं है। इसके लिए बौद्धिक अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक ईमानदारी और सहानुभूति की भी आवश्यकता होती है।होम्योपैथी पेशेवरों के लिए कुछ मार्गदर्शक सिद्धांत सुझाते हुए, राष्ट्रपति ने उनसे सवाल पूछने की आदत डालने और हमेशा सीखते रहने का आग्रह किया। मुर्मू ने कहा, शकिसी संस्थान को केवल उसके बुनियादी ढांचे या उसके कितने साल पुराने होने से नहीं याद रखा जाता, बल्कि इस बात से याद रखा जाता है कि वह कैसे पेशेवर तैयार करता है, कैसा ज्ञान देता है और समाज को क्या सेवा प्रदान करता है।श होम्योपैथिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में इस संस्थान के योगदान का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि एक बेहतरीन मेडिकल कॉलेज के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, यहां के शिक्षकों, डॉक्टरों, प्रशासकों और छात्रों के समर्पण को दर्शाती है।



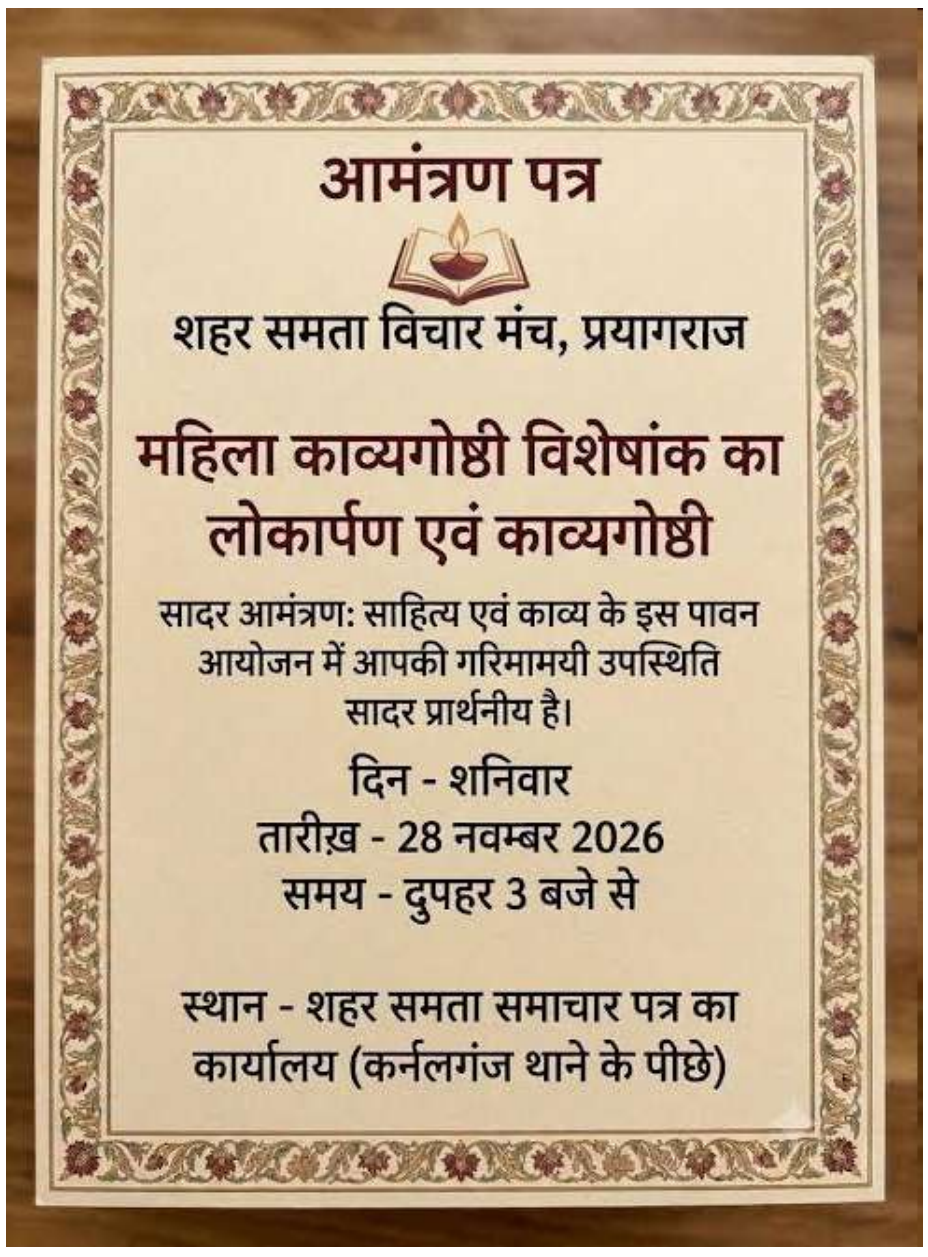

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

बस और स्कॉर्पियो की भीषण भिड़ंत, एक की मौत, एक दर्जन घायल

प्रयागराज। वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रही बस और स्कॉर्पियो के बीच ओवरटेक के दौरान भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो पलटकर सड़क के दूसरी ओर जा पहुंची। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी सैदाबाद पहुंचाया।

हंडिया थाना क्षेत्र के भेसकी पेट्रोल पंप के पास बुधवार को दोपहर में तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। वाराणसी से प्रयागराज जा रही बस और स्कॉर्पियो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पलटकर सड़क के दूसरी ओर जा पहुंची। हादसे में बस सवार एक अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस और स्कॉर्पियो दोनों वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रही थीं। भेसकी पेट्रोल पंप के पास बस चालक स्कॉर्पियो को ओवरटेक करने लगा। इसी दौरान बस अनियंत्रित हो गई और स्कॉर्पियो से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर लगते ही स्कॉर्पियो पलटते हुए सड़क के दूसरी ओर जा पहुंची। हादसे में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना का मंजर देखकर आसपास मौजूद लोग सहम गए। हादसे में बस सवार एक अधेड़ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, एक अन्य व्यक्ति का पैर टूट गया, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो का पंजीकरण नंबर यूपी 70 एफआर 3659 और बस का नंबर यूपी 70 ईटी 7490 बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय और इंस्पेक्टर ओमप्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पीआरवी 112 की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। घायलों की स्थिति को देखते हुए कई एंबुलेंस बुलाई गईं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैदाबाद भेजा गया। हादसे के बाद काफी देर तक घटनास्थल पर अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अंतरिक्ष अपार्टमेंट एसोसिएशन का चुनाव आठ सप्ताह में कराएं, डीएम नामित करेंगे चुनाव अधिकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर स्थित अंतरिक्ष अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के प्रबंधन मंडल का चुनाव आठ सप्ताह के भीतर कराने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के सात दिन के भीतर एसडीएम या उससे वरिष्ठ अधिकारी को चुनाव अधिकारी नामित करेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर स्थित अंतरिक्ष अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के प्रबंधन मंडल का चुनाव आठ सप्ताह के भीतर कराने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के सात दिन के भीतर एसडीएम या उससे वरिष्ठ अधिकारी को चुनाव अधिकारी नामित करेंगे। चुनाव अधिकारी की देखरेख में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति कुनाल रवि सिंह की खंडपीठ ने सुबोध कुमार अग्रवाल की विशेष अपील पर दिया है। याची ने एकलपीठ के मई 2022 के अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए उप निबंधक के चुनाव कराने संबंधी आदेशों पर लगी रोक हटाने और एसोसिएशन के प्रबंधन मंडल का चुनाव कराने की मांग की थी। याची का दावा है कि अपार्टमेंट में पिछले चार साल से चुनाव नहीं हो रहे है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि एसोसिएशन के प्रबंधन मंडल का कार्यकाल एक वर्ष है। उपनियमों के अनुसार हर वर्ष चुनाव होना चाहिए। पदाधिकारियों के बीच विवाद के कारण अनिश्चितकाल तक चुनाव टाले नहीं जा सकते। चुनाव कराने की प्रक्रिया पर अंतरिम आदेश से रोक भी नहीं लगाई गई थी। इसके बावजूद चुनाव नहीं कराए गए और सदस्यों की सत्यापित सूची भी तैयार नहीं हुई।

खंडपीठ ने निर्देश दिया कि चुनाव अधिकारी पहले अपार्टमेंट मालिकों की बैठक बुलाएंगे और सभी संबंधित दस्तावेजों की जांच कर मतदाता सूची तैयार करेंगे। अस्थायी मतदाता सूची चार सप्ताह में तैयार होगी। इस पर आपत्तियां सुनने के बाद अगले चार सप्ताह में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

इसके बाद अंतिम सूची तैयार होने से यथासंभव आठ सप्ताह के भीतर चुनाव कराया जाएगा। बकाया कॉमन एरिया खर्च के कारण अयोग्य होने वाले मालिकों को चुनाव में भाग लेने का अवसर देने के लिए बकाया जमा करने का संक्षिप्त मौका भी दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि एसोसिएशन का पंजीकरण 10 मार्च 2021 से पांच वर्ष के लिए था, जो नौ मार्च 2026 को समाप्त हो चुका है। निर्वाचित प्रबंधन मंडल पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए आवेदन करेगा। इन निर्देशों के साथ हाईकोर्ट ने विशेष अपील और मूल रिट याचिका का निस्तारण कर दिया।

कर्ज वसूली के लिए दूसरे के मकान पर कब्जा नहीं कर सकती फाइनेंस कंपनी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्ज वसूली के लिए दूसरे व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा करने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि याची महिला का कर्ज की वसूली की कार्रवाई से कोई संबंध नहीं है बावजूद इसके उसकी आवासीय संपत्ति के हिस्से पर कब्जा कर लिया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्ज वसूली के लिए दूसरे व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा करने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि याची महिला का कर्ज की वसूली की कार्रवाई से कोई संबंध नहीं है बावजूद इसके उसकी आवासीय संपत्ति के हिस्से पर कब्जा कर लिया गया। कोर्ट ने हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के शाखा प्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है कि याची के मकान का कब्जा उसे तत्काल वापस क्यों न दिलाया जाए। साथ ही फाइनेंस कंपनी को अगली सुनवाई तक विवादित संपत्ति बेचने से रोक दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन और न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ ने मेरठ निवासी उषा की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि वह ग्राम–सलावा, तहसील–सरधना, मेरठ स्थित 75.63 वर्ग गज के आवासीय मकान की मालिक है। उसका न तो फाइनेंस कंपनी से कोई कर्ज है और न ही वह किसी कर्ज की गारंटर है। फाइनेंस कंपनी ने दो अन्य व्यक्तियों को कर्ज दिया था। इन कर्जदारों ने 258 वर्ग गज की दूसरी संपत्ति को गिरवी रखा था जो खसरा संख्या 1736–क में है। फाइनेंस कंपनी ने सरफेसी अधिनियम की धारा–14 के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष जो आवेदन दिया था उसमें गिरवी संपत्ति का विवरण खसरा संख्या 1736–क बताया गया था। जबकि याची का मकान खसरा संख्या 1729–ए और 1729–बी में है। इसके बावजूद फाइनेंस कंपनी के अधिकृत अधिकारी ने एक अक्तूबर को याची के मकान के कुछ हिस्से पर जबरन कब्जा कर लिया। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि प्रथम दृष्टया याची का कर्ज की वसूली से कोई लेना–देना नहीं है। ऐसे में मामले पर विचार किया जाना जरूरी है। अगली सुनवाई सात दिसंबर को होगी।

देव दीपावली: पांच लाख दीपों से जगमगाया संगम, गंगा–यमुना के घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रयागराज। कार्तिक पूर्णिमा पर संगम नगरी आस्था और रोशनी के अद्भुत संगम से जगमगा उठी। गंगा–यमुना के विभिन्न घाटों पर पांच लाख दीप जलाए गए तो पूरा संगम क्षेत्र दीपों की आभा से नहा उठा। कहीं मां त्रिवेणी की आरती हुई तो कहीं भजन–कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आतिशबाजी ने उत्सव को यादगार बना दिया। संगम नोज पर आयोजित भव्य समारोह में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति समेत कई न्यायमूर्ति और प्रशासनिक अधिकारियों ने दीपदान किया।

कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को संगम नगरी में देव दीपावली का पर्व मनाया गया। गंगा–यमुना के तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। संगम नोज, अरैल, बलुआघाट, बरगदघाट और दशाश्वमेध घाट समेत विभिन्न घाटों पर दीपदान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

शाम होते ही घाटों पर मेले जैसा नजारा देखने को मिला। कहीं मां गंगा और मां यमुना की आरती हुई तो कहीं भजन–कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आतिशबाजी ने उत्सव की छटा बिखेरी। लोगों ने परिवार के साथ घाटों पर पहुंचकर दीप जलाए और



सुख–समृद्धि की कामना की।

जिला प्रशासन व प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से संगम क्षेत्र में देव दीपावली का भव्य आयोजन किया गया। संगम नोज सहित अन्य घाटों पर पांच लाख दीप जलाए गए। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना, न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह, पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजय पाल शर्मा और मेला अधिकारी ऋषिराज समेत अन्य अधिकारियों ने मां त्रिवेणी की आरती की और दीपदान किया।

इस दौरान गंगा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आतिशबाजी हुई। संगम घाट पर 'मां गंगा' थीम पर बनाई गई सैंड आर्ट आकर्षण का केंद्र रही। सेल्फी पॉइंट पर भी लोगों ने तस्वीरें लीं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी अभिनव पाठक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया।

21 हजार दीपों से जगमगा उठा महाआरती परिसर

जय त्रिवेणी जय प्रयाग आरती समिति की ओर से महाआरती परिसर में 21 हजार दीपों का दीपदान किया गया। महंत यमुनापुरी महाराज ने इसकी शुरुआत की। इसके बाद रंगोली प्रतियोगिता, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को समिति अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने मोमेंटो, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता नीरज त्रिपाठी, शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, वरिष्ठ आईपीएस पंकज पांडेय, कविता यादव त्रिपाठी और रौनक गुप्ता मौजूद रहे। अंत में महाआरती, आतिशबाजी और महाभोग प्रसाद वितरण हुआ।

11 हजार दीपों से रोशन हुआ बरगदघाट

मीरापुर स्थित बरगदघाट पर मां यमुना मैया आरती समिति की ओर से 11 हजार दीप जलाए गए। समिति अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर के संयोजन में मां यमुना की भव्य महाआरती की गई। महिलाओं ने सपरिवार दीपदान कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। घाट को रंगोली और दीपों से सजाया गया। समिति के प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि आयोजन में अभिषेक ठाकुर, गोपेश रमणी, दिलीप केसरवानी, अमिता शुक्ला, शोभा गुप्ता और रिंकी चौरसिया आदि रहे।

बलुआघाट पर मां यमुना की महाआरती

बलुआघाट पर कार्तिक महोत्सव आयोजन समिति की ओर से देव दीपावली पर विशेष आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर भोर में करीब 15 हजार श्रद्धालुओं ने यमुना स्नान किया। शाम को 5रू30 बजे मां यमुना की आरती और 11 हजार दीपों का दीपदान किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। दीपदान और आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

झूंसी स्थित संगम तट पर भगवान काशी विश्वनाथ स्वरूप में 251 दीप जलाए गए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास वाराणसी की प्राचीन संस्कृत पाठशाला ने इसका आयोजन किया। इसमें श्री कुंभेश्वर महादेव मंदिर भी शामिल रहा। शास्त्री चिल्कित मालवीय आचार्य व कोऑर्डिनेटर मनोज उपाध्याय उपस्थित थे। जय सिंह व अनेक श्रद्धालु भी साधु संतों के सानिध्य में शामिल हुए। भगवान विश्वनाथ से शिक्षा, संस्कृति व धर्म के उत्थान की प्रार्थना की गई।

हाईकोर्ट का अहम फैसला: सबसे ऊंची बोली लगाने से नहीं मिलता ठेका पाने का अधिकार

प्रयागराज। टेंडर में सबसे ऊंची बोली लगा देने भर से किसी व्यक्ति को ठेका पाने का अधिकार नहीं मिल जाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जनहित और राजस्व हित को ध्यान में रखते हुए सरकार निविदा प्रक्रिया निरस्त कर नए सिरे से टेंडर आमंत्रित कर सकती है। सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी और औपचारिक अनुबंध होने के बाद ही ठेका पाने का अधिकार बनता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकार जनहित और राजस्व हित को ध्यान में रखते हुए टेंडर प्रक्रिया निरस्त कर नए सिरे से निविदा आमंत्रित कर सकती है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले व्यक्ति को भी ठेका पाने का कोई निहित अधिकार नहीं है। जब तक सक्षम प्राधिकारी बोली स्वीकार कर औपचारिक अनुबंध नहीं करता,



तब तक ठेका पाने का अधिकार नहीं बनता। यह आदेश न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ ने मेसर्स शिव अनंत इंटरप्राइजेज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया।

याची ने सिद्धार्थनगर के बंसी ब्लॉक में खाद्यान्न परिवहन के ठेके की निविदा निरस्त करने के आदेश और नए सिरे से टेंडर आमंत्रित करने की कार्रवाई को चुनौती दी थी। याची ने निरस्तीकरण आदेश रद्द करने और उसे सबसे कम दर वाला पात्र बोलीदाता मानते हुए कार्यादेश जारी करने की मांग की थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि विभाग ने याची को एल–1 (सबसे कम बोलीदाता) की दर पर काम करने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उसने सहमति नहीं दी। इसलिए विभाग का टेंडर निरस्त करने का निर्णय अनुचित नहीं था। हालांकि, सुनवाई के दौरान याची ने एल–1 की दर पर काम करने की सहमति दी। कोर्ट ने उसे एक सप्ताह में नया प्रत्यावेदन देने और कोई कानूनी बाधा न होने पर कार्यादेश जारी करने का निर्देश दिया। इसी के साथ याचिका निस्तारित कर दी गई।

जान से मारने की धमकी की एफआईआर के 48 दिन बाद भी जांच अधूरी, साधु की हो गई हत्या

प्रयागराज। जान का खतरा बताकर 48 दिन पहले पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी, लेकिन शिकायत पर कार्रवाई जांच तक ही सीमित रही। साधु दयाल दास ने दो लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई थी। तीन दिन तक कमरे का ताला खुलवाने के लिए थाने के चक्कर भी लगाए, लेकिन उनकी फरियाद अनसुनी रह गई। अब हत्या के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

साधु दयाल दास ने सात अक्तूबर को थरवई पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर दो लोगों से जान का खतरा बताया था। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी भी दर्ज की लेकिन पुलिस जांच समाप्त होने से पहले ही दयाल दास बाबा का जीवन समाप्त हो गया। 48 दिन बाद भी मामले में अभी जांच जारी है।

सात अक्तूबर को दर्ज एफआईआर के मुताबिक, साधु ने पुलिस को बताया था कि वह जब सो रहे थे तो किसी ने मंदिर का घंटा चोरी कर कमरे का ताला तोड़ा। पूछताछ करने पर भी जब कोई जानकारी नहीं हुई। गांव के दो लोगों पर धमकी देने का आरोप भी लगा था। वहीं, इस मामले में एसीपी थरवई अजेंद्र यादव का कहना है कि सात अक्टूबर को पुजारी ने दो लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी मामले की जांच जारी है।

वर्ष 2023 में भी गंगापार में हुई थी पुजारी की हत्या

गंगापार के नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर में 1 अक्तूबर, 2023 को एक पुजारी की हत्या हुई थी। यह वारदात चोरी के दौरान पकड़े जाने के डर से की गई थी। छह बदमाश एक फैब्रिकेशन की दुकान में चोरी की योजना से पहुंचे थे। बारिश के कारण वे मंदिर में घुस गए, जहां पुजारी सो रहे थे।

पुजारी के जागने और विरोध करने पर बदमाशों ने उनसे मारपीट की। उन्होंने पुजारी के मुंह में कपड़ा ठूंसा, गमछे से गला कसा और हाथ–पैर बांध दिए। पुजारी का शव मंदिर के पास खेत में फेंक दिया गया था।

तत्कालीन डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने इस हत्याकांड का खुलासा किया। शुरुआत में पारिवारिक विवाद की आशंकाएं भी जताई गई थीं। लेकिन पुलिस जांच में चोरी के दौरान पकड़े जाने का डर ही हत्या का कारण निकला।

मनसैता ग्राम प्रधान जानकी नाथ यादव ने बताया कि लोगों के सहयोग से मंदिर परिसर में ही साधु दयाल दास की समाधि बनवाई जाएगी। उन्होंने पिछले 25 वर्ष में मंदिर परिसर में अनेक कार्य करवाए। उनके प्रयास को क्षेत्र की जनता नहीं भूलेगी। इसके लिए दयाल दास को कई लोगों का विरोध भी झेलना पड़ा। उनकी हत्या के बाद चर्चा होती रही कि अब इस जमीन की सुरक्षा, मंदिर की देखरेख और देवी–देवताओं की पूजा कौन करेगा?

तीन दिन से थाने के चक्कर लगा रहे थे दयाल दास

मंदिर परिसर में कुछ निर्माण कार्य चल रहा था। ठेकेदार ने साधु दयाल दास के रहने वाले कमरे में प्लास्टर कराने की बात कहते हुए ताला बंद कर दिया था। सर्दी बढ़ने पर उन्होंने कमरे को खोलने के लिए कहा था लेकिन ठेकेदार ने कमरा नहीं खोला। ताला खुलवाने के लिए दयाल दास ने पुलिस से मदद मांगी थी।

दो दिन पहले पुलिस मंदिर आई थी लेकिन कमरा नहीं खुल पाया था। तीन दिन से वह थाने के चक्कर लगा रहे थे।मजबूरी में बाबा दुर्गा मंदिर के बरामदे में रहते थे।

इसलिए नाम पड़ा भीम कुंडा

मान्यता है कि महाभारत काल में पांडवों के अज्ञातवास के दौरान प्यास लगने पर भीम ने गदा मारकर यहां धरती से पानी निकाला था। इसीलिए इसे भीम कुंडा मंदिर कहा जाता है।

दिल्ली के बाद अब मुंबई रूट पर भी रोजाना उड़ान की तैयारी

प्रयागराज। दिल्ली के लिए प्रतिदिन विमान सेवा शुरू होने के बाद अब प्रयागराज से मुंबई की उड़ान को भी सप्ताह के सातों दिन संचालित करने की कवायद तेज हो गई है। दिल्ली के लिए प्रतिदिन विमान सेवा शुरू होने के बाद अब प्रयागराज से मुंबई की उड़ान को भी सप्ताह के सातों दिन संचालित करने की कवायद तेज हो गई है। निजी विमानन कंपनियां अकासा एयर और इंडिगो अपने मुंबई शेड्यूल को छह दिन से बढ़ाकर सात दिन करने पर विचार कर रही हैं। सब कुछ ठीक रहा तो माघ मेला शुरू होने से पहले शनिवार के दिन भी मुंबई के लिए सीधी फ्लाइट की सुविधा मिलने लगेगी। वर्तमान में प्रयागराज एयरपोर्ट से मुंबई के लिए शनिवार को दोनों ही कंपनियों के विमान उड़ान नहीं भरते हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से प्रयागराज एयरपोर्ट पर शनिवार का दिन 'नो फ्लाइट डे' जैसा हो गया था। इस दिन एक भी विमान का संचालन नहीं हो रहा था। हालांकि, यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए शनिवार, 21 नवंबर से ही इंडिगो ने दिल्ली की उड़ान को छह दिन से बढ़ाकर सात दिन कर दिया है।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटी कार, चालक की मौके पर मौत

प्रयागराज। पत्नी को मायके छोड़कर घर लौट रहे 28 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। नारीबारी–कोरांव मार्ग पर गोबरा गांव के पास उसकी इंडिगो कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची खीरी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नारीबारी–कोरांव मार्ग पर गोबरा गांव के पास शुक्रवार को अनियंत्रित इंडिगो कार सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार चालक राहुल द्विवेदी (28) पुत्र बलराम द्विवेदी निवासी पुरादत्तू, थाना खीरी, प्रयागराज की मौके पर ही मौत हो गई। राहुल अपनी पत्नी को मायके छोड़कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गोबरा गांव के पास उसकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में राहुल की जान चली गई। सूचना पर पहुंची खीरी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शिवपाल बोले– सपा गठबंधन बड़े पैमाने पर जीत हासिल करेगा, भाजपा से हर वर्ग परेशान

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पार्टी काफी कमजोर हो चुकी है और उसके खिलाफ हर वर्ग में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि चुनाव का आगाज हो चुका है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए गठबंधन के स्वरूप और नेतृत्व को लेकर दोनों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष आपसी सहमति से फैसला करेंगे। गठबंधन में चल



रही चर्चा का चुनावी नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और गठबंधन बड़े पैमाने पर जीत हासिल करेगा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा कि चुनाव का आगाज हो चुका है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए गठबंधन के स्वरूप और सीटों को लेकर दोनों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष आपसी सहमति से फैसला करेंगे। गठबंधन में नेतृत्व और अन्य मुद्दों पर चल रही चर्चा का चुनावी नतीजों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन बड़े पैमाने पर जीत हासिल करने जा रहा है और भाजपा काफी कमजोर हो चुकी है। बुधवार को प्रतापगढ़ पहुंचे शिवपाल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कहीं। शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हर वर्ग के लोग नाराज हैं। नौजवान, किसान, गरीब और व्यापारी सभी परेशान हैं। बड़े, छोटे और मध्यम कारोबारियों के सामने भी संकट खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को बजट जनता की सुविधाओं और विकास पर खर्च करना चाहिए, लेकिन इसका बंदरबांट किया जा रहा है। बाबा बागेश्वर का सपा की ओर से विरोध करने के सवाल पर कहा कि उनका कोई विरोध न हीं हो रहा है। उनका विरोध उनके ही समाज के लोग कर रहे हैं। यह लोग आपस में ही लड़ रहे हैं। कहा कि वैसे बाबा बागेश्वर बहुत महंगे कथावाचक हैं। हमारे तरफ कम पैसे में अच्छे कथावाचक हैं। कहा कि हम सबका सम्मान करते हैं। उनके साथ सपा विधायक राम सिंह, सपा नेता विदुप अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

तीन दिसंबर से शुरू होगी एसएससी सीएचएसएल टियर–एक परीक्षा

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने संयुक्त उच्चतर माध्यमिक स्तर (सीएचएसएल) परीक्षा–2026 के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शहर की जानकारी जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभ्यर्थी एसएससी की वेबसाइट पर लॉगिन करके अपने परीक्षा शहर की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। सीएचएसएल टियर–एक की कंप्यूटर आधारित परीक्षा तीन से 31 दिसंबर तक होगी। प्रवेश पत्र परीक्षा की निर्धारित तिथि से दो या तीन दिन पहले डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगा।

राजमणि देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2026 से अलंकृत हुए प्रसिद्ध उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल

प्रयागराज। संचेतना के तत्वावधान में प्रसिद्ध उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल को मंचस्थ अतिथियों जस्टिस के.एन. बाजपेई (मुख्य अतिथि), प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. मुस्ताक अली (अध्यक्ष) और डॉ. रविनंदन सिंह ने प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र, मोमेंटो और 21000 रुपये की धनराशि प्रदान की। कार्यक्रम के संयोजक सुनील विक्रम सिंह ने 'संचेतना' राजमणि देवी और उपन्यासकार भगवानदास





मोरवाल का परिचय दिया। अपने लेखकीय वक्तव्य में भगवानदास मोरवाल ने अपने चर्चित उपन्यास 'काला पहाड़' की रचना पर विस्तृत प्रकाश डाला। मोरवाल जी ने अपने अन्य उपन्यासों 'खानजादा', 'रेत', 'मोक्षभवन' और 'मानुष हो तो' का जिक्र किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. रविनंदन सिंह ने कहा कि 'संचेतना' के निर्णायक मंडल ने भगवानदास मोरवाल का इस पुरस्कार के लिए चयन करके प्रशंसनीय कार्य किया है। रविनंदन जी ने अंग्रेजी उपन्यासों की परंपरा का उल्लेख किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जस्टिस के.एन. बाजपेई ने कहा कि किसी भी रचनाकार को इलाहाबाद यदि पुरस्कृत करता है तो यह महत्वपूर्ण बात है। रचनाकार की अपनी स्वायत्तता होती है।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. मुस्ताक अली ने भगवानदास मोरवाल की कथा–साहित्य का मूल्यांकन किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीरेंद्र तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन देवेश पांडे ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित थे– सुनीता मोरवाल, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. पूजा गौड़, प्रो. शिवप्रसाद शुक्ल, प्रो. राजेश गर्ग डॉक्टर चितरंजन कुमार डॉ. वीरेंद्र मीणा, डॉ. गाजुला राजू, आकाश तिवारी, सौम्या राज प्रज्ञा यादव, दीपाली यादव, शिखा पांडे, रंजीत आदि उपस्थित रहे।

ओवैसी–चंद्रशेखर की जोड़ी से घबराए अखिलेश, सपा की पहली लिस्ट पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर का तीखा हमला

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट पर यूपी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से गठबंधन अभी फाइनल नहीं हुआ और अखिलेश यादव ने जल्दबाजी में उम्मीदवार भी घोषित कर दिए। उन्होंने पूछा कि यह कांग्रेस के बड़के भैया को जवाब है या एम वाले इमरान भाई को। राजभर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अखिलेश यादव ओवैसी और चंद्रशेखर की जोड़ी देखकर इतना घबरा गए हैं कि उन्होंने पहली लिस्ट में पांच में से चार मुस्लिम उम्मीदवार घोषित कर दिए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव एक तरफ कांग्रेस को 26 सीटों का संदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की पसंद वाली सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर रहे हैं। अखिलेश यादव में गठबंधन बचाने की चिंता और अपना राजनीतिक समीकरण बचाने की बेचैनी दोनों साफ दिख रहे हैं। राजभर ने कहा कि कांग्रेस को भी इस पर ध्यान देना चाहिए कि कैसे अखिलेश बातचीत के बीच एक–एक करके उसकी पसंद की सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित करते जा रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर ने सपा की पहली सूची में मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या को लेकर भी अखिलेश पर निशाना साधा। राजभर ने सवाल उठाया कि ओवैसी और चंद्रशेखर की रैली से पहले चार मुस्लिम उम्मीदवारों की घोषणा संयोग है या मुस्लिम वोटों में सेंध लगने का डर। राजभर ने कहा कि अखिलेश ने टिकट तो पांच ही घोषित किए हैं, लेकिन उनकी घबराहट पूरी 403 सीटों वाली दिखाई दे रही है।

सीट बंटवारे पर कांग्रेस का सपा को अल्टीमेटम, राजेंद्र पाल गौतम बोले सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले, तीन अंकों से कम मंजूर नहीं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच तनाव गहरा गया है। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बाद अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सपा के रुख पर कड़ी नाराजगी जताई है। लखनऊ में प्रस्तावित संविधान बचाओ यात्रा की तैयारियों के बीच जुटे कांग्रेस नेताओं ने साफ कर दिया कि गठबंधन सम्मानजनक शर्तों पर ही होगा और सीटों की संख्या तीन अंकों (100 या उससे अधिक) से कम स्वीकार नहीं की जाएगी। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि जब दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या पर बातचीत चल रही है, तो उससे पहले सपा की ओर से पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित करना गैर–जिम्मेदाराना रवैया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में सपा को ऐसी घोषणा से बचना चाहिए था। गौतम ने कहा कि दोनों दलों के बीच 403 विधानसभा सीटों को लेकर चर्चा जारी है और सहमति बनने के बाद ही स्थिति स्पष्ट करने की बात तय हुई थी। उन्होंने कहा कि 26 सीटों की बात को लेकर कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है। गठबंधन की शर्तों को लेकर राजेंद्र पाल गौतम ने दो टूक कहा कि कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन चाहती है, लेकिन यह सम्मान के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में तानाशाही नहीं चलती और सीटों के बंटवारे में बात केवल तीन अंकों में ही बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि सपा वास्तव में गठबंधन करना चाहती है या नहीं। सांसद इमरान मसूद की नाराजगी पर प्रतिक्रिया देते हुए राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि उनका गुस्सा स्वाभाविक है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तरप्रदेश की चित्रकूट मे चिंतन, सम्मान व समीक्षा बैठक सम्पन्न

निष्क्रिय पदाधिकारियों की दिसंबर मे चलेगी छंटनी की प्रक्रिया

महासंघ के ध्वज की डिजाइन स्वीकृत, गीत व डॉक्युमेंटरी को लांच करने की तैयारी

पश्चिमी उत्तरप्रदेश पर विशेष फोकस का निर्णय

चित्रकूट। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तरप्रदेश की चिंतन, सम्मान व समीक्षा बैठक मंगलवार 24 नवंबर 2026 को प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। इस बैठक मे मुनेश्वर मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि, डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय राष्ट्रीय संयोजक अति विशिष्ट अतिथि और डॉ सतीश बब्बा प्रांतीय संरक्षक और सच्चिदानंद मिश्रा प्रांतीय प्रभारी , पवनेश कुमार पवन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विशिष्ट अतिथि के रूप मे शामिल हुए। बैठक का संचालन देश दर्शन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी प्रदीप सिंह ने किया।



कार्यक्रम का शुभारम्भ सभी अतिथियों व सदस्य गणों द्वारा माता गायत्री को प्रणाम करने के बाद किया गया।जिलाध्यक्ष चित्रकूट शिव मूरत द्विवेदी और मंडल अध्यक्ष अखिलेश दीक्षित द्वारा अपने सभी सदस्यों के द्वारा अतिथियों व विभिन्न जनपदों से आये पदाधिकारियों को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बैठक के एजेंडा को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश पवन ने विस्तार से बताया। श्री पवनेश ने कहा कि इस समय सदस्यता अभियान चल रहा है। एक तरफ जहां नये सदस्यों को महासंघ मे शामिल किया जा रहा है तों दूसरी तरफ पुराने सदस्यों के नवीनीकरण की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। अनुरोध किया कि सभी लोग तत्परता से नवीनीकरण कराते हुए प्रत्येक सदस्य कम से कम महीने मे एक नये सदस्य को महासंघ से जोड़ने का प्रयास करें। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुनेश्वर मिश्रा ने कहा कि निःस्वार्थ भाव से विगत 26 वर्षो से इस महासंघ को सींच कर वट वृक्ष बनाकर 18 राज्यों मे पत्रकारों की आवाज बनाने के लिये राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय जी की जितनी भी तारीफ की जाय, कम है। कहा कि अब हम सभी का दायित्व बनता है कि हम लोग इस को इतना मजबूत करें कि पूरे हिंदुस्तान के पत्रकारों की यह आवाज बन जाय। साथ ही श्री मिश्रा ने प्रांतीय टीम द्वारा पत्रकार हित मे चलायी जा रही नेवता योजना, दुर्घटना मे घायल होने पर इलाज मे सहयोग व मृत्यु होने पर सहयोग प्रदान करने वाली योजनाओं की भूरि भूरि प्रशंसा की।

राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने प्रांतीय टीम को सुझाव दिया कि महासंघ मे सदस्य बनाने से पहले यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि नया सदस्य बनने वाला व्यक्ति शुद्ध रूप से पत्रकार ही है, दलाली करने वालों को महासंघ से न जोड़ा जाय। डॉ उपाध्याय ने सभी से अनुरोध किया कि नवीनीकरण का कार्य जल्द से जल्द करा लिया जाय, जिससे सभी को दिसंबर अंत या जनवरी के प्रथम सप्ताह तक परिचय पत्र जरूर मिल जाये।

प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सिंह ने अपने सम्बोधन मे प्रांतीय व जिला कमेटियों के निष्क्रिय पदाधिकारियों को अन्तिम रूप से निर्देशित किया कि अगर आप लोग अभी भी सक्रिय नहीं हुए और कम से कम दो नये सदस्य नहीं बनाये, तों आपकी जगह नये ऊर्जावान साथी को पदाधिकारी बना दिया जायेगा। सभी से नवीनीकरण को हर हाल मे दिसंबर के द्वितीय सप्ताह तक पूर्ण करने का अनुरोध किया। श्री सिंह ने कहा कि किसी भी साथी की बिटियां की शादी मे सहयोग के लिये नेवता योजना चलायी जा रही है। लेकिन दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी महासंघ के साथियों की इस मे सहभागिता कम हो रही है। यह योजना हर एक साथी के लिये है, इसमें सभी लोग सहयोग करें। साथ ही जब भी किसी साथी के दुर्घटना मे घायल होने पर इलाज मे सहयोग के लिये और मृत्यु होने पर परिजनों के सहयोग के लिये जब भी घोषणा की जाय, आप लोग अधिक से अधिक संख्या मे सहयोग करने की कृपा करें।

सर्वसम्मत से भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का एक ध्वज निर्मित करने तथा अब तक आयोजित हुए सभी कार्यक्रमों का वृत्त चित्र डॉक्यूमेंट्री फिल्म के रूप में बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया । इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधक डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने भी अपने उद्गार व्यक्त करते हुए सब के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की और सभी पत्रकारों को गायत्री शक्तिपीठ की ओर से अंगवस्त्र एवं साहित्य देकर सम्मानित किया जिसमें मुख्य रूप से

श्री मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ डॉ भगवान प्रसाद उपाध्यक्ष राष्ट्रीय संयोजक प्रदीप सिंह देश दर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी पवनेश पवन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉक्टर सतीश बाबा प्रांतीय संरक्षक उत्तर प्रदेश सच्चिदानंद मिश्र प्रांतीय प्रभारी श्याम चंद लखनऊ संगठन सचिव विष्णु नारायण पांडे लखनऊ सचिव सूर्यकुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष अयोध्या रमेश चंद्र पांडे संयुक्त सचिव अयोध्या अमित कुमार मिश्रा विधि सलाहकार अयोध्या पवन कुमार मिश्रा सदस्य प्रांतीय कार्यकारिणी कौशांबी अमित कुमार द्विवेदी सदस्य कौशांबी राजेंद्र पांडे जिला अध्यक्ष जमुनापार प्रयागराज पंकज गुप्ता जिला अध्यक्ष महानगर प्रयागराज सरिता सिंह प्रभारी मिर्जापुर वीरेंद्र कुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष लखनऊ शिव मूरत द्विवेदी जिला अध्यक्ष चित्रकूट रमेश रैकवार पंकज शुक्ला अखिलेश दीक्षित मंडल अध्यक्ष चित्रकूट घनश्याम पांडेय मंडल उपाध्यक्ष चित्रकूट रमेश रौनियार जिला महासचिव चित्रकूट पंकज शुक्ला जिला उपाध्यक्ष चित्रकूट अनिल त्रिपाठी उपाध्यक्ष चित्रकूट वेद प्रकाश द्विवेदी सर्वेश पांडे मनीष गुप्ता फूलचंद तिवारी , अनिल कुमार तिवारी , शांति ओझा सहित अन्य जनपदों के पत्रकार साहित्यकार और स्थानीय मां नागरिक तथा गायत्री शक्तिपीठ के अनेक साधक उपस्थित रहे।

कल्पना पटवारी के शानदार छठ गीतों से सजी का बंगाईगांव की शाम

बंगाईगांव। असम की बेटी और भोजपुरी गानों की प्रसिद्ध गायिका कल्पना पटवारी का शानदार कार्यक्रम 24 नवंबर को बंगाईगांव के ओल्ड कॉलोनी स्थित रेलवे फील्ड में आयोजित की गई। छठ पूजा सांस्कृतिक महोत्सव– 2026 के नाम से आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम पूर्वोत्तर बिहारी परिषद द्वारा आयोजित की गई। कल्पना पटवारी एक प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका के अलावा एक सहृदय इंसान हैं, उन्हें सफलता का लेश मात्र भी घमंड नहीं है। हर आम व खास से बड़ी शालीनता से मिलती है, उनसे बात करती है। जबकि कल्पना जी ने 32 विभिन्न भाषाओं में गाना गा कर विश्व में अपनी पहचान बनाई है, उनके गाए छठ गीत काफी लोकप्रिय हुए हैं और करोड़ों फैंस इनके दीवाने हैं। यही नहीं उनके अन्य भोजपुरी और हिंदी फिल्मों के गाने भी काफी हिट हैं। मंच पर उन्होंने दर्शकों के फरमाइश के गाने भी गाई। बड़ी तादाद में दर्शक देर रात उनको सुनते रहे।



पूर्वोत्तर बिहारी परिषद के अध्यक्ष श्री रॉय रंजीत सिंह भी पूरी शिद्दत से कार्यक्रम के सुचारू रूप से चलाने की मॉनिटरिंग करते रहे। परिषद के सक्रिय सदस्य श्री आलोक कुमार ने बताया कि पूर्वोत्तर बिहारी परिषद समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का काम करती है। हमे इस कार्यक्रम के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिला। असमिया, बोडो, बंगाली, मारवाड़ी, नेपाली समाज के लोगों ने हमेशा हिन्दी भाषियों के पर्व–त्यौहार को अपना समझ कर सहयोग किया है। श्री पवन महतो ने मंच से घोषणा कर बताया कि जरूरत मंद लोगों के लिए मंच के बगल में ही पूर्वोत्तर बिहारी परिषद द्वारा एक स्टॉल लगाई गई। जहां हजार से पंद्रह सौ रूपये के ब्रांडेड और बिलकुल नए कपड़े महज पचास से सत्तर रुपए में दी जा रही है। यह मामली राशि इसलिए ली जा रही है कि कही कोई इस योजना का गलत लाभ न उठा पाए।

विवेकानंद छठ घाट से पहुंचे वहां के पदाधिकारियों में से श्री शंभू चौधरी ने बात करते हुए बताया कि इस तरह के आयोजन से समाज में समरसता आती है और लोगों का स्वस्थ मनोरंजन होता है। कारखाना के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता श्री नीरज कुमार ने इस कार्यक्रम को काफी सफल बताया तो वही श्रीमती रुचि सिंह ने बताया कि कल्पना दीदी के गानों को सुनने के लिए वह काफी उत्सुक थी और मुझे सबसे अच्छी बात लगी कि दीदी काफी मिलनसार स्वभाव की है। हमारे एक अनुरोध पर उन्होंने हमारे साथ फोटो खींचाई और काफी बातचीत की। श्रीमती रितु गुप्ता ने बताया कि मंच संचालन बहुत ही प्रभावी रहा, कार्यक्रम में एंकर ने जान डाल दी। बंगाईगांव के जाने–माने शिक्षक मोहम्मद यासीन अंसारी जी के दमदार आवाज और शिल्पा महतो की तीन भाषाओं में बेहद प्रभावशाली मंच संचालन ने लोगो को आकर्षित किया।

शिया पी.जी. कालेज में डिजीशक्ति योजना के अन्तर्गत टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। शिया पी.जी. कालेज, लखनऊ में आज स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना डिजीशक्ति के अन्तर्गत टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर वरिष्ठ आई0ए0एस0 अधिकारी, अमित कुमार घोष, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा शामिल हुए। अमित कुमार घोष ने बच्चों को अपने हाथों से टैबलेट वितरित किए और उनको अपने उद्बोधन से वर्तमान चुनौतियों का मुकाबला करने की सीख दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए अमित कुमार घोष ने शिया कालेज के गौरवशाली इतिहास की सराहना की। उन्होनें अपने उद्बोधन की शुरुआत स्वामी विवेकानन्द के उदाहरण से की और बोला कि यह टैबलेट वितरण योजना स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना है, इसका नामकरण स्वामी विवेकानन्द के नाम पर इसलिए किया गया क्योंकि स्वामी विवेकानन्द ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से पूरी दुनिया को अपना लोहा मनवाया है। श्री घोष ने छात्र–छात्राओं से कहा कि भारत के विकास की रफ्तार काफी अच्छी है और देष की जी0डी0पी0 के साथ–साथ प्रति व्यक्ति आय में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने आगे कहा अमेरिका और चीन जैसे देशों ने ए0आई0 के अध्ययन को अपने स्कूली पाठ्यक्रमों में शामिल कर लिया है।

हर पल है अनमोल

(छप्पय)

रोम–रोम में ईश भक्ति जब बस जाती है।
भौतिकता से दूर मधुरता तब आती है।
हर पल है अनमोल समझते हैं जो इसको।
उनके वाणी–शब्द मनोहर लगते जग को।
प्रभु सुमिरन में लीन हो रहते मुक्त विकार से।
उनकी गाथा ही सदा जग गाता है प्रेम से।।

तृष्णा को ही सत्य समझ जो काँटे बोते।
सुख का भाव–अभाव वही काँधे पर ढोते।
व्यर्थ न करते बात बात हरि की ही करते।
संतोषी हर जीव हमेशा हर्षित रहते।
मृगतृष्णा के पाश को जो जन देते त्याग हैं।
प्रभु चरणों में रत रहें जगते उनके भाग हैं।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मांट पुलिस और एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 134 किलो गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

आगरा–नोएडा एक्सप्रेसवे पर मांट टोल से पहले पकड़ी गईं दो कारें, महाराष्ट्र और दिल्ली से जुड़े हैं आरोपी

मथुरा। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मांट पुलिस और एएनटीएफ आगरा की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने आगरा–नोएडा एक्सप्रेसवे पर मांट टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 134 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की



जा रही दो कारों को भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर को शाम करीब 5रू55 बजे मुखबिर से सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने एक्सप्रेसवे पर आगरा की ओर से आ रही दो संदिग्ध कारों को रोककर तलाशी ली। इनमें एक वोक्सवैगन कार (क्स् 3 ब्ठॅ 3807) और दूसरी आई–20 कार (ड्भ् 47ॅ 1971) शामिल थी। तलाशी के दौरान दोनों कारों से 134 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार उर्फ छोटे (36) निवासी औरैया, हाल निवासी द्वारका सेक्टर–17 दिल्ली, सचिन देवीदास तायवडे (22) और सोमेश साहेबराव मानेकर (32) निवासी जिला अमरावती, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना मांट में मुकदमा संख्या 282/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29/60 में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संयुक्त टीम में ये रहे शामिल– कार्रवाई करने वाली टीम में क्षेत्राधिकारी महावन निरीक्षक संजीव राय, एएनटीएफ आगरा के निरीक्षक हरवेंद्र मिश्रा, उपनिरीक्षक हरेंद्र कुमार, उमंग त्यागी सहित एएनटीएफ और मांट थाने के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

गोल्डन जुबली पर सुंदरकांड का भव्य आयोजन, दुरेश–विनीता गुप्ता ने मनाई शादी की 50वीं वर्षगांठ

नोएडा में प्रेम और पारिवारिक एकता का दिखा अनूठा संगम, सुंदरकांड पाठ में गूंजे श्रीराम के जयकारे; सैकड़ों श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद

मथुरा/नोएडा। दुरेश गुप्ता एवं विनीता गुप्ता ने अपने वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली (स्वर्णिम विवाह वर्षगांठ) हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई। इस खास अवसर पर नोएडा में भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने शामिल होकर दंपती को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

समारोह का शुभारंभ धार्मिक परंपराओं के अनुरूप सुंदरकांड पाठ से हुआ। भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता करते हुए दंपती के सुखी, स्वस्थ, समृद्ध और दीर्घायु जीवन की कामना की। धार्मिक आयोजन के उपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को प्रसाद वितरित किया गया। इस यादगार अवसर पर दंपती की पुत्रियां चांदनी अग्रवाल एवं चंचल तथा पुत्र चंदन अग्रवाल ने अपने माता–पिता को विवाह की 50वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवार के अन्य सदस्यों, रिश्तेदारों और



मित्रों ने भी दंपती के साथ खुशियां साझा करते हुए उनके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। दुरेश एवं विनीता गुप्ता के वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष प्रेम, विश्वास, समर्पण, आपसी समझ और पारिवारिक संस्कारों की खूबसूरत मिसाल हैं। इस अवसर पर समारोह में उत्साह, आत्मीयता और खुशियों का विशेष माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज), मथुरा के अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने दुरेश गुप्ता एवं विनीता गुप्ता को वैवाहिक जीवन की स्वर्णिम वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दंपती के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की कामना करते हुए ईश्वर से उनके जीवन में सदैव खुशियां और प्रेम बनाए रखने की प्रार्थना की।

सम्पादकीय.....

बिना आस्था तीर्थयात्रा

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचौन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी ध र्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं। सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक–दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े–बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचौन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचौन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचौन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं, जहां उन्हें बिना किसी अपराधबोध के शांतिपूर्वक और आराम से रहने का मौका मिलता है। सही मायने में व्यक्ति के मन को शांति और सुकून प्रकृति के सान्निध्य में और अपने मूल स्वभाव में जीने से ही मिलता है।

भारत-नेपाल के बीच नयी शुरुआत

डॉ. दीपक पाचपोर

बालेन शाह से नेपाल के युवाओं को वही सारी अपेक्षाएं हैं, जो किसी भी देश के युवा को अपनी सरकार से होती है। अच्छी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, आगे बढ़ने के मौके, भ्रष्टाचार पर लगाम आदि।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह 22 नवंबर को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। अपने दो दिन के दौरे में बालेन शाह ने पहले दिन विदेश मंत्री एस.जयशंकर से मुलाकात की और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उनकी मुलाकात हुई। बालेन शाह का यह भारत दौरा कई मायनों में अहम है। जून 2024 के बाद अब नेपाल के प्रधानमंत्री भारत यात्रा पर आए हैं। बालेन शाह से पहले के पी शर्मा ओली जुलाई 2024 से सितंबर 2025 तक नेपाल के प्रधानमंत्री थे, और इस दौरान वे एक बार भी भारत नहीं आए। उनसे पहले के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश जून 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। नेपाल भारत का निकट पड़ोसी ही नहीं है, बल्कि सदियों से नेपाल और भारत के बीच रोटी–बेटी के संबंध भी हैं। यह महज जुमलेबाजी नहीं है, हकीकत है। नेपाल की सीमा से लगे हिस्सों में बहुत से परिवार ऐसे हैं जिनकी रिश्तेदारी नेपाल में है और यही स्थिति नेपाल के अनेक परिवारों की है। दरअसल नेपाल के साथ रिश्तों की खासियत यह है कि भावनात्मक तौर पर दोनों देशों में जुड़ाव रहा है। नेपाल में चाहे सत्ता किसी की भी रही हो, दोनों देशों की जनता के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव बना ही रहा। बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार जैसे अन्य पड़ोसी देशों की तुलना में नेपाल से एक सहजता भारतीय महसूस करते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारत और नेपाल के बीच कभी सीमा विवाद तो कभी राजनैतिक बयानबाजी के कारण रिश्तों में खटास भी आई है। नेपाल और भारत के राजनैतिक संबंधों पर चीन की छाया पड़ने से संबंधों में कड़वाहट देखने मिली है। चीन अपने सामरिक और आर्थिक लाभ के लिए बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान सभी देशों को अपने प्रभाव में रखना चाहता है, अपनी बड़ी परियोजनाओं के लिए इन देशों का इस्तेमाल करता है, बदले में उन्हें आर्थिक तौर पर उपकृ त करता है, नेपाल भी इन्हीं में से एक देश बना हुआ है। नेपाल के साम्यवादी नेताओं का झुकाव भी चीन की तरफ रहा। लेकिन अब हालात बदले हुए हैं। नेपाल में कुछ अरसा पहले ही सरकार के खिलाफ युवाओं का बड़ा आंदोलन हुआ। इसमें पिछली सरकारों के अहम किरदार हाशिए पर चले गए। काठमांडू के मेयर रहे और नयी पीढ़ी के बीच लोकप्रिय रैपर बालेन शाह को सत्ता संभालने का मौका मिला। राजशाही को खत्म करने के बाद यह नेपाल की जनता के लिए एक और बड़ा बदलाव था कि उम्रदराज नेताओं की जगह एक अपेक्षाकृत युवा नेता के हाथ में देश की बागडोर आई। बालेन शाह से नेपाल के युवाओं को वही सारी अपेक्षाएं हैं, जो किसी भी देश के युवा को अपनी सरकार से होती है। अच्छी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, आगे बढ़ने के मौके, भ्रष्टाचार पर लगाम आदि। यह सब तभी संभव है, जब देश आर्थिक विकास के रास्ते पर आगे बढ़े। नेपाल की प्रगति में भारत ने हमेशा ही साथ दिया है और अब बालेन शाह ने अपने दौरे में भारत से सहयोग की अपेक्षा ही दर्शाई है। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। नेपाल अपनी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार, परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था पर काफी निर्भर है। वहीं भारत के लिए नेपाल हिमालयी क्षेत्र में रणनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण है। बालेन शाह से सोमवार को प्रध ानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद कई महत्वपूर्ण समझौते हुए और दोनों देशों ने मिलकर श्विकसित भारत और समुन्नत नेपालश साझा विजन दस्तावेज जारी किया। इसके तहत आर्थिक साझेदारी, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा और जल संसाधन समेत 10 प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का रोडमैप तैयार हुआ। दस्तावेज में शिक्षा, खेल, डिजिटल सेवाओं, स्टार्टअप, अंतरिक्ष तकनीक और नवाचार को भी प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा तय हुआ कि जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन में भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। बालेन शाह ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध हिमालय की तरह मजबूत और महासागरों की तरह विशाल हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल में प्राकृतिक आपदाओं और मुश्किल परिस्थितियों के दौरान भारत एक भरोसेमंद पड़ोसी की तरह हमेशा सबसे पहले मदद के लिए आगे आया है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे विश्वास है कि आज की वार्ता में हम जिन नतीजों पर पहुंचे हैं, उनसे नेपाल और भारत के संबंध नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। समय की मांग है कि नेपाल और भारत की स्थायी मित्रता की मजबूत नींव पर संबंधों को और सुदृढ़ बनाया जाए। वहीं प्रध ानमंत्री मोदी ने कहा कि भगवान राम और माता सीता हमारी साझा सभ्यता और आस्था की पहचान हैं। भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अपनेपन और अटूट विश्वास का रिश्ता है। हमारी खुशियां साझी हैं और हमारी चुनौतियां भी। हम एक–दूसरे की प्रगति में साथी हैं और मुश्किल समय में एक–दूसरे का सहारा भी। दोनों नेताओं ने अयोध्या जनकपुर धाम के लिए विशेष ट्रेन सेवा को शुरु किया, नेपाल के साथ रेल मार्ग से जुड़ने की यह अहम पहल है। एक अरसे के बाद नेपाल और भारत के संबंधों में पुरानी गर्मजोशी देखने मिली है, जो सराहनीय है। अब कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता जैसे क्षेत्रों को लेकर जो सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है, उसे कूटनीतिक बातचीत के जरिए हल करने की कोशिशें की जाएं, तो दोनों देशों को इससे लाभ मिलेगा।

मोदी का एक ही सपना, मुस्लिम बहुल राज्य में अपनी

म्यांमारः फैसला अंत नहीं है
असद मिर्जा

अतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का नवंबर 2026 का फैसला एक ऐतिहासिक कानूनी हिसाब–किताब है– उसने म्यांमार को रोहिंग्या के विरुद्ध नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन केवल एक फैसला नागरिकता बहाल नहीं कर सकता, सुरक्षित वापसी सुनिश्चित नहीं कर सकता और न ही व्यक्तियों को दंडित कर सकता है। इसका असर इस पर निर्भर है कि म्यांमार पालन करता है या नहीं, और सरकारें निंदा को निरंतर दबाव व व्यावहारिक संरक्षण में बदलती हैं या नहीं। रोहिंग्या मुख्यतः मुस्लिम जातीय अल्पसंख्यक हैं, जिनकी जड़ें म्यांमार के राखाइन राज्य में गहरी हैं। उन्हें दशकों से भेदभाव और राज्य के दमन का सामना करना पड़ा है। 1982 के नागरिकता कानून ने व्यावहारिक रूप से अधिकांश रोहिंग्या को नागरिकता से वंचित कर दिया, उन्हें राज्यविहीन बना दिया और उनके आवागमन, शिक्षा तथा सेवाओं तक पहुंच को सीमित कर दिया। श्रोहिंग्याश नाम को नकारना उस व्यापक इनकार का हिस्सा बन गया कि यह समुदाय देश का हिस्सा है। संकट कई लहरों में गहराता गया, जिनमें 1978, 1991 और 2012 के सामूहिक विस्थापन शामिल हैं। 2016 में अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (अरसा) के सुरक्षा चौकियों पर हमलों के बाद सैन्य अभियान चले। 25 अगस्त 2017 को अरसा ने पुलिस और सैन्य ठिकानों पर हमला कियाय सेना की प्रतिक्रिया कहीं अधिक विनाशकारी थी। बाद के हफ्तों में सुरक्षा बलों ने गांव जलाए, नागरिकों की हत्या की और बड़े पैमाने पर यौन हिंसा की। सात लाख से अधिक रोहिंग्या सीमा पार कर बांग्लादेश भाग गए। यह पलायन कोई अलग–थलग घटना नहीं था। यह वर्षों के बहिष्कार का परिणाम था, और इसके बाद भी लाखों रोहिंग्या म्यांमार के भीतर कठोर पाबंदियों में रहते रहे। संयुक्त राष्ट्र के 2018 के तथ्य–अन्वेषण मिशन ने 2017 की हिंसा को व्यापक और सुनियोजित बताया और वरिष्ठ सैन्य नेताओं की जवाबदेही की माँग की। म्यांमार सरकार ने नरसंहार के आरोपों को खारिज कर दिया और अपनी कार्रवाइयों को अरसा के विरुद्ध उग्रवाद–रोधी उपाय बताया। नवंबर 2019 में गांबिया ने, इस्लामी सहयोग संगठन के समर्थन से, म्यांमार के विरुद्ध आईसीजे में मामला दायर किया और 1948 के नरसंहार अभिसमय के उल्लंघन का आरोप लगाया। यह जनरलों के विरुद्ध आपराधि ाक मुकध्दमा नहीं था। सवाल यह था कि क्या म्यांमार ने, एक राज्य के रूप में, नरसंहार को रोकने और दंडित करने के अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है। जनवरी 2020 में न्यायालय ने म्यांमार को आदेश दिया कि वह रोहिंग्या की रक्षा और साक्ष्य सुरक्षित रखने के लिए अंतरिम उपाय करे। म्यांमार ने न्यायालय के अधिकार–क्षेत्र और गांबिया के मामला लाने के अधिकार को चुनौती दीय जुलाई 2022 में न्यायाधीशों ने उसकी प्रारंभिक आपत्तियां खारिज कर दीं, जिससे गुण–दोष पर कार्यवाही जारी रह सकी। जनवरी 2026 में सुनवाई हुई, जिसमें पीड़ितों की गवाही साक्ष्य का केंद्रीय हिस्सा थी। 19 नवंबर का फैसला एक मील का पत्थर है– न्यायालय ने पाया कि म्यांमार ने 2017 के सफाई अभियानों के दौरान रोहिंग्या के विरुद्ध नरसंहार किया, और वह नरसंहार को रोकने तथा दंडित करने में विफल रहा। साथ ही म्यांमार ने साक्ष्य सुरक्षित रखने संबंधी 2020 के आदेश का उल्लंघन किया। फैसले पर आई रिपोर्टों के अनुसार, न्यायाधीशों ने 9–6 के मत से माना कि सैन्य अभियान इस समूह को, कम से कम काफी हद तक, नष्ट करने के इरादे से चलाया गया था। न्यायालय ने यह दावा ठुकरा दिया कि हिंसा के पैमाने और स्वरूप की व्याख्या केवल आतंकवाद–रोधी कार्रवाई से होती है। न्यायालय ने म्यांमार को निर्देश दिया कि वह जारी उल्लंघन रोके, नरसंहार के उचित रूप से संदिग्ध लोगों की जांच करे और जहां उचित हो उन पर मुकदमा चलाकर दंडित करे। उसने पुनरावृत्ति न होने के आश्वासन, रोहिंग्या के लिए पुर्नस्थापन, जिसमें सुरक्षित, स्वैच्छिक और गरिमामय वापसी तथा परिवारों के पुनर्मिलन की शर्तें शामिल हैं, और मुआवजे का भी आदेश दिया। क्षतिपूर्ति की राशि और व्यवस्थाएं बाद के चरण में तय होंगीय म्यांमार को दो वर्ष के भीतर बहाली और मुआवजे के उपायों पर रिपोर्ट देनी होगी। ये आदेश बाध्यकारी हैं, किंतु आईसीजे के पास पुलिस बल नहीं है, न वह अधिकारियों को गिरफ्तार कर सकता है और न म्यांमार के सैन्य नेतृत्व को सहयोग के लिए बाध्य। यदि कोई राज्य पालन न करे, तो दूसरा पक्ष मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जा सकता है, जो उपायों की सिफारिश या निर्णय कर सकती है। यह मार्ग राजनीतिक रूप से अनिश्चित है– परिषद की शक्ति विवेकाध ीन है और स्थायी सदस्य कार्रवाई रोक सकते हैं। इसलिए अनुपालन काफी हद तक कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय समन्वय और निरंतर निगरानी पर निर्भर करेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने फैसले का स्वागत किया और इसे पीड़ितों की मान्यता तथा इस बात की पुनर्पुष्टि बताया कि दंडमुक्ति हावी नहीं होनी चाहिए। बांग्लादेश से फैसला देख रहे रोहिंग्या पीड़ितों के लिए यह सशक्त सार्वजनिक स्वीकृति थी। लेकिन रोहिंग्या पैरोकारों के अनुसार मान्यता पर्याप्त नहीं– पीड़ित चाहते हैं कि दुनिया उनकी बात सुने और उनके भविष्य से जुड़े निर्णयों में महिलाओं को शामिल करे। अमेरिका की प्रतिक्रिया अधिक सतर्क रही। हालांकि बाइडेन प्रशासन ने 2022 में औपचारिक रूप से माना था कि म्यांमार की सेना ने नरसंहार और मानवता के विरुद्ध अपराध किए, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह आईसीजे के निर्णय का अध्ययन कर रहा है और न्यायालय के राजनीतिकरण से बचने के महत्व पर बल दिया। यह विरोधाभास एक केंद्रीय तनाव को उजागर करता है– रोहिंग्या के प्रति समर्थन इस राजनीतिक सावध ानी के साथ भी रह सकता है कि अंतरराष्ट्रीय अदालतें नरसंहार को कैसे परिभाषित और लागू करती हैं। म्यांमार की सैन्य–समर्थित सरकार ने अब तक फैसले पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह चुप्पी कानूनी निष्कर्ष को कमजोर नहीं करती, पर यह प्रश्न खुला छोड़ देती है कि क्या अधिकारी आदेश लागू करेंगे। यह फैसला व्यक्तिगत अपराधियों की जिम्मेदारी भी तय नहीं करताय उसके लिए अलग आपराधिक कार्यवाही और राज्यों व संस्थाओं का सहयोग चाहिए। गांबिया के मामला दायर करने के बाद से रोहिंग्या के हालात बदल चुके हैं। 2021 के सैन्य तख्तापलट ने आंग सान सू ची के नेतृत्व वाली नागरिक सरकार को हटा दिया, और म्यांमार तब से व्यापक संघर्ष में घिरा है। राखाइन में रोहिंग्या नागरिक सेना और अराकान आर्मी के बीच फंस गए हैं, और दोनों पर गंभीर ज्यादतियों के आरोप हैं। अराकान आर्मी अब राज्य के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखती है, जबकि रोहिंग्या लगातार दमन, जबरन श्रम और मनमानी हिरासत का सामना कर रहे हैं। इस बीच, बांग्लादेश में शरणार्थी भीड़भाड़ वाले शिविरों में मानवीय सहायता पर निर्भर हैं और घर लौटने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं है। केवल कागज पर संभव वापसी न्यायालय के निर्देश को पूरा नहीं करेगी– वह सुरक्षित, स्वैच्छिक और गरिमामय होनी चाहिए। इसके लिए सुरक्षा, आवागमन की स्वतंत्रता, बहाल अधिकार और दोबारा उत्पीड़न के विरुद्ध विश्वसनीय गारंटियां चाहिए, केवल सीमा पार पहुंचाना नहीं। तात्कालिक परीक्षा क्रियान्वयन है। गांबिया और समर्थक राज्यों को म्यांमार से अनुपालन के लिए दबाव बनाना होगा, जबकि संयुक्त राष्ट्र और अन्य सरकारों को जांचों की निगरानी, साक्ष्यों की रक्षा और यह आग्रह करना चाहिए कि वापसी तथा बहाली की योजनाओं को रोहिंग्या की आवाज आकार दे। क्षतिपूर्ति का बाद का चरण भी मायने रखेगा– मुआवजे और बहाली को व्यक्तियों तथा समुदाय की क्षति की भरपाई करनी चाहिए, केवल कागजी आंकड़ा नहीं देना चाहिए।

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब का राजनीतिक माहौल और अधिक प्रतिस्पर्धी

डॉ. ज्ञान पाठक

पंजाब का राजनीतिक परिदृश्य राजनीतिक दलों के लिए और अधिक प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है, लेकिन आम लोगों के लिए यह और भी दिलचस्प हो गया है। नेता अपनी निष्ठाएं बदलते दिख रहे हैं और राजनीतिक दल जिस तरह के पैंतरे अपना रहे हैं, वह आम लोगों के लिए मनोरंजन का विषय बन गया है। आम लोग नेताओं और राजनीतिक दलों की इन चालबाजियों को बखूबी समझ रहे हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए, पंजाब में चार–तरफा राजनीतिक मुकाबला होता दिख रहा है। हालांकि, अगर चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के बीच गठबंधन हो जाता है, तो यह मुकाबला तीन–तरफा हो सकता है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) अपनी सरकार का बचाव कर रही है और राज्य में सत्ता बनाए रखने की कोशिश में है, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस वापसी की जुगत में है। भाजपा अपने प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास कर रही है, और एसएडीअपने खोए हुए पारंपरिक राजनीतिक आधार को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि इनके बीच होने वाला मुकाबला 2022 के विध ानसभा चुनाव की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी होगा। ऐसा लगता है कि यह राजनीतिक निष्ठाएं बदलने का दौर है। भाजपा इस मामले में काफी सक्रिय और सफल रही है। उसने आप, कांग्रेस और एसएडीके कई नेताओं को अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है। हाल ही में, 19 नवंबर को ऐसा ही एक बदलाव देखने को मिला, जब लुधियाना, मोगा और संगरूर जिलों से आप, कांग्रेस और एसएडीके कई प्रमुख नेता अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने चंडीगढ़ स्थित अपने पंजाब मुख्यालय में इन नेताओं के शामिल होने का कार्यक्रम आयोजित किया था। भाजपा में शामिल होने वालों में मोगा से आप नेता और प्रवक्ता नवदीप सिंह संघा, रायकोट से वरिष्ठ अकाली नेता सुरिंदर सिंह चौहान, और पंजाब यूनिवर्सिटी एनएसयूआईके पूर्व अध्यक्ष हार्दिक नैन (लेहरागागा) शामिल थे। आप के प्रवक्ता नवदीप सिंह संघा के साथ–साथ, पार्टी के संस्थापक सदस्य और मोगा बुद्धिजीवी शाखा के प्रभारी मनदीप सिंह गिल, तथा पंजाब एससी–बीसी शाखा के संयुक्त सचिव सुखदीप सिंह धामी भी भाजपा में शामिल हो गए। इस कार्यक्रम के दौरान एक बहुत ही दिलचस्प घटना घटी। श्ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स काउंसिलश (एआईएचआरसी) के लगभग 25 पदाधिकारियों ने भाजपा की विचारधारा अपना ली! यह दिलचस्प इसलिए है क्योंकि एआईएचआरसीखुद को एक गैर–राजनीतिक और धर्मनिरपेक्ष संगठन बताता रहा है, जो मानवाधिकारों, समानता और लोगों की गरिमा की रक्षा के लिए काम करने का दावा करता है। भाजपा में शामिल होने वालों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा सिंह आजाद, आरटीआई विंग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह (मोहाली), किसान विंग के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह घुमन और एनआरआई विंग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह शामिल हैं। पंजाब के लोगों के बीच एक और दिलचस्प बात चर्चा का विषय बनी, वह यह कि कांग्रेस के नेता और दो बार विधायक रहे हरदयाल सिंह कंबोज ने भी अपनी पार्टी छोड़ दी और 19 नवंबर को भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस की ओर से 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र तैयार करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वह 2027 के चुनाव के लिए कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के सह–अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। उनके साथ कांग्रेस के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा मुख्य रूप से दूसरी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को अपने पाले में लाकर, राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2022 के पंजाब विध ानसभा चुनाव में, 117 सीटों में से भाजपा केवल 2 सीटें ही जीत पाई थी। उस समय भाजपा का वोट शेयर भी महज 6.6 प्रतिशत था, इसलिए अब वह अपने समर्थन आधार को बढ़ाना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के केंद्रीय नेता लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं और ऐसे कई धार्मिक नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं, जिनका सिख और दलित समुदायों के बीच अच्छा–खासा प्रभाव है। ऐसी खबरें भी हैं कि भाजपा, शिरोमणि अकाली दल के साथ चुनाव से पहले गठबंधन करने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि 2020 में कृषि से जुड़े तीन विवादित कानूनों के मुद्दे पर उसने एनडीए से अपना नाता तोड़ लिया था। एसएडीनेताओं ने भी भाजपा के साथ अपने पुराने गठबंधन को फिर से बहाल करने पर विचार करने के संकेत दिए हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी पक्का नहीं है। 2022 के चुनाव में एसएडी केवल 3 सीटें जीत पाई थी और उनका वोट शेयर 18.38 प्रतिशत था। किसानों और सिखों के बीच उनका समर्थन आधार काफी कम हो गया है। अब पार्टी अपना खोया हुआ समर्थन आधार वापस पाना चाहती है। एसएडीके लिए यह अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। पार्टी अपने संगठन को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रही है, जिसका साफ संकेत 15 नवंबर को तब मिला, जब बीबी जागीर कौर की एसएडीमें वापसी हुई। 18 नवंबर को छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा और एसएडीअपने पुराने गठबंधन को फिर से बहाल करने को लेकर बातचीत के काफी करीब पहुंच गए हैं। पुराने गठबंध ान के ढांचे में, भाजपा और एसएडी क्रमशरू 23 और 94 सीटों पर लड़े थे। हालांकि, नई बातचीत में भाजपा 42–47 सीटों की मांग कर रही है, और एसएडीको यह समझाने की कोशिश कर रही है कि उन्हें लगभग 70–75 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। सत्ताधारी आप सत्ता में रहने के फायदे और राज्य स्तर पर एक स्थापित संगठन के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। हालांकि, उसे अपने कामकाज और किए गए वादों को पूरा करने को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, उसे अपने कामकाज का बचाव करना होगा। नशीले पदार्थों (ड्रग्स) का मुद्दा पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि सरकार के खिलाफ काफी नाराजगी भी है। भाजपा के अमित शाह राज्य में श्नशा मुक्त पंजाब, के वादे के साथ प्रचार कर रहे हैं, और कह रहे हैं कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे इसे पूरा करेंगे। 2022 के चुनावों में आप ने 42.01 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 92 सीटें जीती थीं। कांग्रेस राज्य में मुख्य विपक्षी दल है, जिसने पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी के हाथों सत्ता गंवा दी थी। इसका मुख्य कारण पार्टी के भीतर की आपसी कलह थी, जो आज भी जारी है। 2022 में कांग्रेस ने 22.98 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 18 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के पास सत्ता विरोधी वोटों को एकजुट करने का मौका है, खासकर अगर वह अपने आंतरिक मतभेदों को सफलतापूर्वक सुलझा ले।

बॉडी-शेम विवाद के बीच अर्जुन बिजलानी ने पत्नी पर लुटाया प्यार, पूरा सैलून बुक कर नेहा को कराया क्वीन जैसा महसूस



रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा 2 में अपनी पत्नी नेहा स्वामी बिजलानी के खान–पान की आदतों पर की गई टिप्पणी के लिए आलोचना झेलने के बाद, अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने उनके प्रति अपना प्यार जताने का एक खास तरीका निकाला है। अभिनेता ने पूरा सैलून बुक कर लिया ताकि नेहा वहां आराम से लाड़–प्यार पा सकें और खुद को किसी रानी की तरह महसूस कर सकें। नेहा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस शानदार सैलून अनुभव की एक झलक साझा की और बताया कि पूरी जगह उनके लिए बुक की गई थी। उन्होंने लिखा, पति ने पूरी जगह बुक कर दी, ताकि मैं खुद को लाड़–प्यार से भरा और किसी रानी की तरह महसूस कर सकूं। अर्जुन का यह कदम पति पत्नी और पंगा 2 में नेहा को लेकर की गई उनकी टिप्पणियों से जुड़े हालिया विवाद के बीच सामने आया है। शो का एक क्लिप वायरल हो गया था, जिसमें अर्जुन कहते हैं– नेहा 8 घंटे सोती होगी, लेकिन 16 घंटे खाती रहती है। कुछ दर्शकों ने इस टिप्पणी को उनकी पत्नी के खान–पान और शरीर (बॉडी) पर कटाक्ष के रूप में लिया, जिसके चलते सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना होने लगी। अर्जुन ने एक्स (ट्विटर) पर इस आलोचना का जवाब देते हुए दर्शकों से अपील की कि वे रियलिटी शो की बातचीत का बहुत ज्यादा विश्लेषण न करें। उन्होंने लिखा, यह एक मजेदार शो है। इसे बस यहीं तक रहने दें। बहुत ज्यादा विश्लेषण न करें। सोशल मीडिया के एक यूजर ने इस टिप्पणी पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि अर्जुन नेशनल टेलीविजन पर अपनी पत्नी को बॉडी–शेम कर रहे हैं। यूजर ने यह भी पूछा कि अगर नेहा ने उनके बारे में ऐसी ही कोई टिप्पणी की होती, तो क्या उन्हें तब भी यह उतना ही मजेदार लगता ? अर्जुन ने बॉडी–शेमिंग के आरोप को खारिज करते हुए जवाब दिया और स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी विशेष रूप से नेहा के खान–पान की आदतों के बारे में थी। अर्जुन ने लिखा, हमने खान–पान की आदतों के बारे में बात कीय मैं उसे बॉडी–शेम नहीं कर रहा था। आप हर चीज को नकारात्मक नजरिए से देखते हैं। अपनी पत्नी को सेहत और खान–पान की आदतों के बारे में बताना प्यार है, कुछ और नहीं। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं

> अर्जुन ने बॉडी-शेमिंग के आरोप को खारिज करते हुए जवाब दिया और स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी विशेष रूप से नेहा के खान-पान की आदतों के बारे में थी। अर्जुन ने लिखा, हमने खान-पान की आदतों के बारे में बात कीय मैं उसे बॉडी-शेम नहीं कर रहा था।

पड़ता कि दूसरे अपनी जिंदगी में क्या करते हैं लेकिन मुझे अपनी पत्नी की परवाह है और मैं उससे प्यार करता हूं इसलिए मैं उसे बताता रहूंगा कि उसके लिए क्या अच्छा है, और वह भी मेरे साथ ऐसा ही कर सकती है। उन्होंने अपने रिश्ते की लंबी उम्र का जिक्र करते हुए आगे कहा, यही वजह है कि हम 23 सालों से साथ हैं। नफरत फैलाने वालों, आगे बढ़ो ! इंटरनेट पर कमेंट करने के लिए कुछ और ढूंढ़ लो। बाकी आपकी मर्जी। अर्जुन और नेहा दो दशकों से भी ज्यादा समय से साथ हैं। इस जोड़े ने 2013 में शादी की थी और उनका एक बेटा अयान है।



ब्रह्मास्त्र 2 आएगी, अयान मुखर्जी ने फिल्म टलने की अफवाहों पर लगाया विराम

फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी ने पुष्टि की है कि ब्रह्मास्त्र 2 रद्द नहीं हुई है और इस पर काम चल रहा है। आईएफएफआई में उन्होंने बताया कि पहला भाग पश्चिमी फिल्मों से प्रभावित था, लेकिन इसका सीक्वल ज्यादा भारतीय होगा। इसके साथ ही उन्होंने पहली फिल्म के मिले–जुले रिस्पॉन्स को स्वीकार करते हुए सुधार करने की बात कही। हाल ही में फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी ने श्ब्रह्मास्त्र 2श (ठतीउेंजतं 2) को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। काफी समय से बातें चल रही थी कि उनकी 2022 की फैंटेसी एडवेंचर फिल्म के सीक्वल को टाल दिया गया है। काफी समय से लोगों के मन में सवाल था कि क्या अयान इस पर वर्क कर रहे हैं या नहीं? अब निर्देशक ने फाइनली इस पर चुप्पी तोड़ी है। इस बीच, अयान ने खुलासा किया कि शुरुआत से ही उन्होंने ब्रह्मास्त्र को लेकर एक बड़ी कहानी की थी, लेकिन निर्माता पहली फिल्म के साथ ही दूसरे भाग को बनाने को खर्च नहीं उठा सकते हैं।

किस तरह दूसरा पार्ट बनाएंगे अयान?

अयान मुखर्जी ने खुलासा किया है कि ब्रह्मास्त्र 2 आ रही है। अयान ने पुष्टि की कि इसका सीक्वल रद्द नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पहला भाग हैरी पॉटर और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स जैसी पश्चिमी फिल्मों से प्रेरित था, लेकिन दूसरा भाग ज्यादा भारतीय होने वाला है। बता दें कि, अयान अपने साथी फिल्म निर्माता बेसिल जोसेफ के साथ श्इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडियाश (ष्थ्थ) में एक सेशन में हिस्सा लेने गोवा गए थे। वहां उन्होंने श्ब्रह्मास्त्रश के बॉक्स–ऑफिस प्रदर्शन और इसकी उतार–चढ़ाव की भरी शुरुआत के बारे में बात कही। आपको बताते चलें कि, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत श्ब्रह्मास्त्रश ने विश्वभर में 435 करोड़ से अधिक कमाई की है। वहीं, फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपये था। फिल्म को औसत सफलता प्राप्त हुई थी।

अयान ने स्वीकार की फिल्म की कमियां

इतना ही नहीं, अयान मुखर्जी ने फिल्म श्ब्रह्मास्त्रश के मिले–जुले रिएक्शन को स्वीकार किया है और माना कि कुछ चीजों में सुधार की जरुरत थी। अयान ने कहा, अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार रहूं, तो हां जब फिल्म आई तो मुझे मिली–जुली फीलिंग आई थी।



चैन से जीने दो...मैं मांस और हड्डियों से बनी इंसान हूं, जैस्मिन भसीन पर लगे प्लास्टिक सर्जरी कराने के आरोप, ट्रोलर्स पर फूटा गुस्सा

एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने अपने लुक पर सवाल उठाने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। कोलकाता में एक शादी समारोह की तस्वीरें सामने आने के बाद, उनके प्लास्टिक सर्जरी, बोटोक्स और फिलर्स कराने को लेकर नई अटकलें लगाई जाने लगी थीं। एक्ट्रेस ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने इन कमेंट्स का जवाब देते हुए साफ किया कि उनका लुक हर दिन अलग हो सकता है। इन अटकलों पर तंज कसते हुए जैस्मिन ने कहा कि जब भी उनका चेहरा थोड़ा अलग दिखता है, तो लोग तुरंत मान लेते हैं कि उन्होंने कोई कॉस्मेटिक प्रोसीजर करवाया है। गुलाबी लहंगे में शादी समारोह में शामिल हुईं जैस्मिन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में बताया कि कैसे कई चीजें – जैसे सफर करना, नींद पूरी न होना, थकान और वजन में बदलाव – उनके लुक पर असर डाल सकती हैं।"तो ऐसा लगता है कि जब भी मेरा चेहरा थोड़ा अलग दिखता है, तो मैंने कोई नई प्लास्टिक सर्जरी करवा ली होती है।मैं सफर करती हूं, मेरी नींद पूरी नहीं होती, मैं अलग–अलग मेकअप आर्टिस्ट के साथ काम करती हूं, मेरे साइनस में सूजन आ जाती है, मैं थक जाती हूं, मैंने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शुरू की है, मेरा वजन थोड़ा बढ़ गया है..." उन्होंने आगे कहा कि उनका चेहरा हर दिन एक जैसा नहीं दिखता, इसलिए लोगों को यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि वह हर तस्वीर में एकदम परफेक्ट दिखें। "मेरा चेहरा कोई परमानेंट इंस्टाग्राम फिल्टर नहीं है। कभी–कभी चेहरा एकदम शार्प दिखता है, तो कभी सूजा हुआ लगता है। कभी चेहरा थका हुआ दिखता है, और कभी–कभी तो मेकअप भी खुद को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा होता है जैस्मिन ने इस पर तंज भी कसा प्लास्टिक सर्जरी वाली थ्योरी पर उन्होंने कहा कि ऐसी प्रक्रियाओं के लिए समय चाहिए होता है, जो उनके पास हमेशा नहीं होता। और ये प्लास्टिक सर्जरी वाली थ्योरी... यार, प्लास्टिक सर्जरी करवाने के लिए भी तो समय चाहिए! मैं भी खून, मांस, मांसपेशियों और हड्डियों से बनी इंसान हूं। मुझे अलग–अलग दिनों में अलग दिखना अलाउड है और सच कहूं तो ? मुझे अपना चेहरा पसंद है। मुझे अपना शरीर पसंद है, मैं खुद से प्यार करती हूं। अपने लुक से खुश रहने के लिए मुझे हर दिन एकदम परफेक्ट दिखने की जरूरत नहीं है। इसलिए प्लीज... इस इंसान को चौन से जीने दो। काम की बात करें तो, जैस्मीन हाल ही में पंजाबी फिल्म श्जुदाश में नजर आई थीं, जिसमें वह सिंगर–एक्टर गुलाब सिद्धू के साथ मुख्य भूमिका में थीं। वह रोहित शेट्टी के स्टंट–बेस्ड रियलिटी शो श्खतरों के खिलाड़ी 15श में भी तीसरी बार वापसी कर चुकी हैं।

'मॉन्स्टर एंड दुल्हन' से लौटी राधिका राव-विनय साप्रू की जोड़ी, रिलीज हुआ नया गाना 'ये रात खास है'

म्यूजिक वीडियो की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली निर्देशक जोड़ी राधिका राव और विनय साप्रू एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आई है। 'वास्ते', 'लुट गए' और 'लेजा रे' जैसे गानों को अपने निर्देशन से खास अंदाज देने वाली यह जोड़ी अब म्यूजिकल प्रोजेक्ट 'मॉन्स्टर एंड दुल्हन' के जरिए एक रहस्यमयी प्रेम कहानी पेश कर रही है। सोनी म्यूजिक के साथ आए इस प्रोजेक्ट का गाना 'ये रात खास है' रिलीज हो चुका है। इसमें रुद्र सोनी और यशिका शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। मॉन्स्टर एंड दुल्हन' की कहानी एक श्रापित राक्षस और ध ोखा खाई दुल्हन के इर्द–गिर्द बुनी गई है। पूर्णिमा की रात दोनों की मुलाकात होती है, जिसके बाद प्यार, रहस्य और कल्पना से भरी कहानी आगे बढ़ती है। गाने में रहस्यमयी माहौल और भावनात्मक दृश्यों के जरिए इस अनोखी दुनिया की झलक दिखाई गई है। प्रोजेक्ट का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिलने के बाद कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ी है। राधिका राव और विनय साप्रू ने नए कलाकारों को मौका देने के अपने नजरिए के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "मॉन्स्टर एंड दुल्हन के जरिए हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे, जो अंधेरी, रहस्यमयी और रोमांस से भरी हो, जहां कल्पना और भावनाएं एक साथ हों। हम हमेशा नए कलाकारों को मौका देने में विश्वास रखते हैं और रुद्र और यशिका अपनी भावनाओं को बिना संवादों के भी व्यक्त करने की खूबी के कारण हमें खास लगे। उनकी सहजता और केमिस्ट्री इन किरदारों के लिए बिल्कुल सही थी। उम्मीद है कि दर्शक इस अनोखी प्रेम कहानी को उतना ही पसंद करेंगे, जितना हमें इसे बनाने में मजा आया। इस गाने को तौफीक साबरी ने गाया है, जबकि इसका संगीत साबिर खान ने तैयार किया है। गाने के बोल श्वेता ने लिखे हैं। 'मॉन्स्टर एंड दुल्हन' की कहानी लिखने के साथ–साथ राधिका राव और विनय साप्रू ने इसका निर्देशन भी किया है। इस प्रोजेक्ट में दोनों ने रोमांस के साथ रहस्य और फैंटेसी को जोड़कर एक अलग तरह की म्यूजिकल कहानी रचने की कोशिश की है।





आंखों में पीलापन और गहरे रंग के पेशाब को सिर्फ पीलिया समझना गलत, ये है कैंसर की भी निशानी

आंखों का थोड़ा पीला पड़ जाना थकान की निशानी लग सकता है। गहरे रंग के पेशाब को डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) का नतीजा माना जा सकता है, जबकि भूख न लगना या अपच को तनाव से जोड़कर देखा जा सकता है। भले ही ये लक्षण मामूली लगें, लेकिन जब ये एक साथ दिखें या लंबे समय तक बने रहें, तो हो सकता है कि शरीर आपको यह संकेत दे रहा हो कि किसी चीज पर ध्यान देने की जरूरत है। यह पैंक्रियाटिक कैंसर (अग्न्याशय के कैंसर) के लक्षण भी हो सकते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पैंक्रियाटिक कैंसर क्या है

पैंक्रियाटिक कैंसर अग्न्याशय (पेट के पीछे स्थित ग्रंथि) की कोशिकाओं में अनियंत्रित वृद्धि से होने वाला एक गंभीर कैंसर है, जो पाचन एंजाइम और रक्त शर्करा नियंत्रित करने वाले हार्मोन बनाती है। शुरुआती चरण में इसके स्पष्ट लक्षण न दिखने के कारण अक्सर इसका पता देर से चलता है। इसका मुख्य लक्षण है त्वचा और आंखों में पीलापन (पीलिया), पेट के ऊपरी हिस्से या पीठ में दर्द, बिना प्रयास के वजन कम होना और भूख न लगना, हाल ही में मधुमेह (डायबिटीज) शुरू होना या पहले से मौजूद डायबिटीज का बिगड़ना, मल में बदलाव (जैसे हल्का, चिपचिपा या तैलीय मल) और मतली या उल्टी।

पेशाब का बदलता रंग चिंता की बात

अग्न्याशय (पैंक्रियाज) पेट के अंदर, आमाशय के पीछे गहराई में स्थित होता है। अग्न्याशय का ऊपरी हिस्सा कॉमन बाइल डक्ट के पास होता हैय यह एक छोटी नली होती है जो लिवर से पित्त (बाइल) को आंत तक ले जाती है। इससे पीलिया (जॉन्डिस) हो जाता है, जिसका पता अक्सर सबसे पहले आंखों के सफेद हिस्से के पीले पड़ने से चलता है। शरीर से अतिरिक्त बिलीरुबिन गुर्दे के माध्यम से बाहर निकलता है, जिससे मूत्र का रंग गहरा भूरा या चाय जैसा हो सकता है। आंत तक कम पित्त पहुंचने के कारण मल असामान्य रूप से पीला, धूसर या चिकना दिखाई दे सकता है। लगातार खुजली भी हो सकती है। पीलिया के कई संभावित कारण हो सकते हैं, जिनमें पित्त की पथरी, हेपेटाइटिस और यकृत या पित्त नलिकाओं को प्रभावित करने वाली अन्य स्थितियां शामिल हैं। हालांकि, दर्द रहित पीलिया, विशेष रूप से जब इसके साथ गहरा मूत्र, पीला मल या वजन में कमी हो, तो तुरंत जांच करानी चाहिए।

लक्षणों का पैटर्न मायने रखता है

अगर लक्षण असामान्य लगें, नियमित इलाज के बावजूद बने रहें, या धीरे–धीरे और खराब होते जाएं, तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। डॉक्टर जांच करने से पहले लक्षणों, मेडिकल हिस्ट्री और जोखिम कारकों को देखते हैं। वे लिवर के कामकाज और अन्य जरूरी चीजों की जांच के लिए ब्लड टेस्ट करवाते हैं।ृ पेट का अल्ट्रासाउंड, कंट्रास्ट–एनहांस्ड सीटी स्कैन या एमआरआई की मदद से अग्न्याशय में किसी रुकावट या असामान्यता का पता लगाया जा सकता है। अगर डॉक्टरों को कोई संदिग्ध गांठ या उभार (हतवूजी) दिखाई देता है, तो वे एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड और बायोप्सी कराने की सलाह दे सकते हैं।

सिर्फ कमजोरी नहीं, शरीर में खून की कमी होने पर दिखते हैं ये 6 अजीब लक्षण





अक्सर लोग दिनभर थकान रहने, कमजोरी महसूस होने या चक्कर आने को काम का दबाव और नींद की कमी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार ये समस्याएं शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया (।दमउपं) का संकेत भी हो सकती हैं। हैरानी की बात यह है कि एनीमिया होने पर सिर्फ थकान ही नहीं, बल्कि बाल झड़ना, त्वचा का पीला पड़ना, चिड़चिड़ापन और यहां तक कि बर्फ या चॉक खाने की इच्छा जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के अनुसार, एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें खून में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। एम्स की डॉक्टर के अनुसार, भारत में महिलाओं और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। आइए जानते हैं एनीमिया के कारण, लक्षण, शरीर पर इसके प्रभाव और इससे बचाव के तरीके।

क्या होता है एनीमिया?

एनीमिया को आम भाषा में खून की कमी कहा जाता है। दरअसल, इसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या या उनमें मौजूद हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। हीमोग्लोबिन एक ऐसा प्रोटीन है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के अलग–अलग हिस्सों तक पहुंचाता है। जब शरीर में पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं होता, तो टिशूज और अंगों तक ऑक्सीजन सही मात्रा में नहीं पहुंच पाती। इसके कारण व्यक्ति को कमजोरी, थकान और दूसरी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने लगती हैं।

एनीमिया होने पर शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?

एनीमिया का असर व्यक्ति की उम्र और उसकी गंभीरता के अनुसार अलग–अलग हो सकता है। बच्चों और किशोरों में इसकी वजह से शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है। इससे उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और कार्यक्षमता पर भी असर पड़ सकता है। वहीं, गर्भवती महिलाओं में एनीमिया मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। गंभीर एनीमिया की स्थिति में शरीर के अंगों पर भी दबाव पड़ सकता है और दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

एनीमिया होने के 6 प्रमुख कारण

एनीमिया सिर्फ आयरन की कमी से नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं।

आयरन की कमीः शरीर में आयरन की कमी एनीमिया का सबसे आम कारण है। आयरन की मदद से ही शरीर हीमोग्लोबिन बनाता है। इसकी कमी होने पर लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण प्रभावित हो सकता है।

विटामिन बी12 और बी9 की कमीः शरीर में विटामिन बी12 और फोलेट की कमी होने से भी लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में परेशानी हो सकती है।

ज्यादा ब्लीडिंग होनाः महिलाओं में पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग, पेट में अल्सर या बवासीर के कारण लंबे समय तक खून बहने से एनीमिया हो सकता है।

गंभीर बीमारियांः किडनी की बीमारी, बोन मैरो से जुड़ी समस्याएं और कुछ अन्य पुरानी बीमारियां भी एनीमिया का कारण बन सकती हैं।

आनुवांशिक कारणः थैलेसीमिया और सिकल सेल डिजीज जैसी आनुवांशिक बीमारियों में लाल रक्त कोशिकाएं प्रभावित होती हैं, जिससे एनीमिया हो सकता है।

कुछ दवाओं का सेवनः कुछ दवाएं लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण या उनके सामान्य कामकाज को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए लंबे समय तक दवाएं लेने पर डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

थकान के अलावा एनीमिया के ये लक्षण भी दिखते हैं

एनीमिया के शुरुआती लक्षण कई बार सामान्य कमजोरी जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। इसके कुछ प्रमुख संकेत इस प्रकार हैं–

लगातार थकान और कमजोरीः पर्याप्त आराम करने के बाद भी थकान महसूस होना।

त्वचा का पीला पड़नाः चेहरे, होंठों और आंखों के अंदरूनी हिस्से का रंग सामान्य से फीका दिखाई देना।

बाल झड़नारू शरीर में आयरन की कमी होने पर कुछ लोगों में बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है।

बर्फ या चॉक खाने की इच्छाः कुछ लोगों को एनीमिया, खासकर आयरन की कमी होने पर बर्फ, मिट्टी या चॉक जैसी गैर–खाद्य चीजें खाने की इच्छा हो सकती है। इस स्थिति को पिका (च्पबं) कहते हैं।

चिड़चिड़ापनः छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा आना और मूड में बदलाव होना।

ध्यान लगाने में परेशानीः काम या पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बनाए रखने में मुश्किल होना।

गंभीर एनीमिया होने पर दिखते हैं ये संकेत

अगर एनीमिया की समस्या बढ़ जाए तो कुछ गंभीर लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। इनमें थोड़ी मेहनत करने पर सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना, चक्कर आना और सीने में दर्द शामिल हैं। गंभीर स्थिति में एनीमिया दिल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है और हार्ट फेलियर जैसी जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

एनीमिया का इलाज न करवाने पर क्या हो सकता है?

लंबे समय तक एनीमिया का इलाज न करवाने से शरीर में ऑक्सीजन की कमी बनी रह सकती है। इससे रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित होती है और गंभीर मामलों में दिल पर दबाव बढ़ सकता है। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया होने से समय से पहले प्रसव, कम वजन वाले बच्चे का जन्म और प्रसव के दौरान जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, बच्चों में इसका असर विकास और सीखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

एनीमिया का इलाज कैसे किया जाता है?

एनीमिया का इलाज करने से पहले डॉक्टर इसकी असली वजह का पता लगाते हैं। इसके लिए आमतौर पर कंप्लीट ब्लड काउंट, हीमोग्लोबिन, आयरन और फेरिटिन जैसे टेस्ट करवाए जा सकते हैं। जरूरत पड़ने पर विटामिन बी12 और फोलेट की जांच भी की जाती है। अगर एनीमिया आयरन की कमी के कारण है, तो डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट लेने की सलाह दे सकते हैं। विटामिन बी12 या फोलेट की कमी होने पर संबंधित सप्लीमेंट दिए जाते हैं। वहीं, अगर खून की कमी का कारण किसी दूसरी बीमारी या लगातार ब्लीडिंग होना है, तो उसका इलाज करना भी जरूरी होता है।

एनीमिया से बचने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

एनीमिया से बचाव और आयरन की कमी को दूर करने के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

हरी पत्तेदार सब्जियांः पालक, मेथी और सरसों का साग डाइट में शामिल करें।

दालें और फलियांः चना, राजमा, मसूर और दूसरी दालों का सेवन करें।

सूखे मेवे और बीजः किशमिश, खजूर, तिल और कद्दू के बीज खा सकते हैं।

मांसाहारी विकल्पः मांस, मछली और अंडे आयरन और अन्य पोषक तत्वों के अच्छे स्रोत हो सकते हैं।

विटामिन सी वाले फलः संतरा, आंवला, अमरूद और नींबू जैसे खाद्य पदार्थ आयरन के अवशोषण में मदद करते हैं।

इसके अलावा, आयरन युक्त भोजन के तुरंत साथ चाय या कॉफी पीने से बचें, क्योंकि इनमें मौजूद कुछ तत्व आयरन के अवशोषण को कम कर सकते हैं। आयरन फोर्टिफाइड चावल और दूसरे फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ भी डाइट का हिस्सा बनाए जा सकते हैं।

नोटः हर तरह की थकान या बाल झड़ने की समस्या एनीमिया का संकेत नहीं होती। बिना जांच के आयरन की दवाएं न लें। लगातार लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी ब्लड टेस्ट करवाएं।



ड्राई फ्रूट्स से महिलाओं की डाइट में क्यों जरूरी, हार्मोनल संतुलन से लेकर खून की कमी तक दूर

महिलाओं के विभिन्न जीवन चरणों में ड्राई फ्रूट्स का नियमित सेवन शारीरिक और हार्मोनल स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। पोषक तत्वों से भरपूर बादाम, अखरोट और अंजीर जैसे मेवे हड्डियों को मजबूती देने, खून की कमी रोकने और इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। साथ ही, यह दिल, दिमाग और वजन को भी संतुलित रखते हैं।

महिलाओं के जीवन में हर एक चरण जैसे कि किशोरावस्था, प्रेग्नेंसी, मातृत्व और मेनेपॉज के समय कई तरह के शरीरिक और हार्मोनल बदलाव देखने को मिलते हैं। इसलिए संतुलित आहार का सेवन करना काफी जरुरी होता है। ड्राई फ्रूट्स पोषक तत्वों का खजाना माने जाते हैं। अगर आप अपने डाइट में प्रोटीन, हेल्दी फैट, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन–ई और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन सभी को अपनी डाइट में सीमित मात्रा में डेली डाइट का हिस्सा बनाया जाए, तो ये महिलाओं के ओवरऑल हेल्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आइए आपको बताते हैं कैसे ड्राई फ्रूट्स को अपनी डाइट में शामिल करें।

हार्मोनल हेल्थ बढ़िया होती

बादाम, अखरोट और पिस्ता जैसे ड्राई फ्रूट्स में पाए जाने वाले हेल्दी फैट्स और ओमेगा–3 फैटी एसिड हार्मोन के संतुलन में मदद करती है। यह पीरियड्स के समय होने वाली थकान और मूड स्विंग्स में राहत दिलाएगी।

हड्डियां बनेंगी मजबूत

असल में महिलाओं में उम्र बढ़ने के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। बादाम, अंजीर और तिल के साथ खाने से कुछ ड्राई फ्रूट्स कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस का अच्छा स्रोत हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।

खून की कमी से बचाव

किशमिश, सूखे अंजीर और खजूर में आयरन का मात्रा काफी पाई जाती है। इन्हें संतुलित आहार के साथ लेने से आयरन की पूर्ति में मदद मिलती है, इससे एनीमिया का जोखिम कम होता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

बादाम और अखरोट विटामिन ई, बायोटिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। यह स्किनन को हेल्दी बनाते हैं और बालों को भी मजबूती पहुंचाते हैं।

दिल और दिमाग को रखें स्वस्थ

अखरोट, पिस्ता और बादाम में हेल्दी फैट्स बैड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं। वहीं, ओमेगा–3 फैटी एसिड मस्तिष्क के बेहतर कार्य और मेमोरी पॉवर को भी समर्थन देता है।

वजन नियंत्रण में सहायक

ड्राई फ्रूट्स में फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है। जो कि लंबे समय तक पेट भरा हुआ रखता है। बार–बार भूख लगने की समस्या कम होती है और वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

ऊर्जा का मजबूत स्रोत

आजकल ज्यादातर लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल में जी रहे है, ऐसे में महिलाओं को मुट्ठीभर ड्राई फ्रूट्स इंस्टेंट एनर्जी प्रदान करता है।

रोग प्रतिरोधन क्षमता बढ़ाएं

मेवों में पाए जाते हैं जिंक, सेलेनियम, विटामिन ई और पॉलीफेनॉल जैसे एंटीऑक्सीडेंट। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव नुकसान से बचाते हैं।

संक्षिप्त



फ्लिपकार्ट में 11 साल बाद सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति का इस्तीफा, अंतरिम कमान संभालेंगे बालाजी

फ्लिपकार्ट में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में 11 साल से अधिक समय तक सवाएं देने के बाद कल्याण कृष्णमूर्ति यह पद छोड़ रहे हैं। कंपनी ने बुधवार को यह घोषणा की। ऑनलाइन सामान खरीद–बिक्री की सुविधा देने वाली फिलपकार्ट ने कहा कि कुछ हफ्तों में उनके उत्तराधिकारी की घोषणा की जाएगी। तब तक बालाजी त्यागराजन और कंपनी का निदेशक मंडल अंतरिम रूप से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि त्यागराजन फिलहाल फ्लिपकार्ट में मुख्य उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। फ्लिपकार्ट ने कहा कि कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में उसका कारोबार पांच गुना से अधिक हो गया और भारत की अग्रणी ई–कॉमर्स कंपनियों में उसकी स्थिति मजबूत हुई। कंपनी ने कहा कि उनके कार्यकाल में 'द बिग बिलियन डेज' भारत में त्योहारों के दौरान खरीदारी का पर्याय बन गया। इस दौरान फ्लिपकार्ट ने कई नई पहल कीं और देशभर में अपनी पहुंच का विस्तार किया। वॉलमार्ट इंटरनेशनल के अध्यक्ष एवं सीईओ क्रिस निकोलस ने कहा, ''कल्याण की वजह से फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट दोनों बेहतर स्थिति में हैं। हम उनके नेतृत्व, कंपनी में स्थापित सुशासन व्यवस्था और उनके योगदान के लिए आभारी हैं। हम उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'' कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें कंपनी के कारोबार के बड़े स्तर तक पहुंचने पर गर्व है, लेकिन इस बात पर भी उतना ही गर्व है कि यह उपलब्धि किस तरह हासिल की गई। उन्होंने कहा, ''मजबूत नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और सुशासन के उच्च मानक फ्लिपकार्ट की वृद्धि के केंद्र में रहे हैं। हमारी टीम ने लाखों भारतीयों के खरीदारी करने के तरीके को बदलने में मदद की है। इससे ग्राहकों के लिए विकल्प बढ़े हैं और देशभर में विक्रेताओं, उद्यमियों तथा कारोबारियों के लिए अवसर पैदा हुए हैं।''

अमेजन ग्लोबल सेलिंग से भारतीय निर्यात 2700 करोड़ डॉलर पार, दिल्ली शीर्ष पर

ई–कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन के 'अमेजन ग्लोबल सेलिंग' कार्यक्रम के तहत भारत से कुल निर्यात 2,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। इस मंच पर निर्यातकों की संख्या एक साल में 20 प्रतिशत बढ़कर 2.4 लाख हो गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह उपलब्धि 2030 तक भारत से कुल आठ लाख करोड़ डॉलर का ई–कॉमर्स निर्यात संभव बनाने के उसके लक्ष्य की दिशा में प्रगति को दर्शाती है। वर्ष 2015 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम के तहत भारत में बने एक अरब से अधिक उत्पाद अमेजन के वैश्विक बाजारों के ग्राहकों को बेचे जा चुके हैं। कंपनी के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत 36,000 से अधिक निर्यातकों के साथ दिल्ली राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में पहले स्थान पर है। इसके बाद राजस्थान (32,500 से अधिक), उत्तर प्रदेश (29,000 से अधिक), गुजरात (28,000 से अधिक) और महाराष्ट्र (23,500 से अधिक) का स्थान है। छोटे शहरों में तमिलनाडु के इरोड के निर्यातकों ने जनवरी 2025 से 2026 की तीसरी तिमाही तक 12.15 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री की। कंपनी के अनुसार, इस साल कुल निर्यात में सात अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। पिछले साल भी निर्यात में इतनी ही वृद्धि हुई थी। वर्ष 2024 के अंत में यह 1,300 करोड़ डॉलर था, जो अक्टूबर 2025 में बढ़कर 2,000 करोड़ डॉलर हो गया था। भारत में अमेजन ग्लोबल सेलिंग के प्रमुख श्रीनिधि कलवापुडी ने कहा, भारत में उपभोक्ता वस्तुओं का वैश्विक निर्यात केंद्र बनने की क्षमता है और ई–कॉमर्स इस लक्ष्य को हकीकत में बदलने में मदद कर रहा है। इससे हर भारतीय विक्रेता के लिए वैश्विक निर्यातक बनने के अवसर पैदा हो रहे हैं। कपड़ा जैसे क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं, जहां भारत की विनिर्माण क्षमता, शिल्प कौशल और उद्यमशीलता की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है।

मजबूत आर्थिक वृद्धि से भारतीय NBFC का माहौल रहेगा स्थिर, फिच रेटिंग का अनुमान

मजबूत आर्थिक वृद्धि और अनुकूल नीतियों के कारण भारत में गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का कारोबारी माहौल स्थिर रहने की उम्मीद है। इससे कर्ज की मांग बनी रहेगी और कंपनियों को धन जुटाने की ऊंची लागत के दबाव से राहत मिलेगी। फिच रेटिंग्स ने बुधवार को यह बात कही। फिच ने अनुमान जताया कि महंगाई और ब्याज दरों में मामूली वृद्धि तथा वैश्विक आर्थिक वृद्धि की धीमी रफ्तार के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर एशिया–प्रशांत क्षेत्र में सबसे ऊंची दरों में शामिल रहेगी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने सितंबर में वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। फिच ने अपनी रिपोर्ट दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया की वित्तीय कंपनियों का परिदृश्य 2027 में कहा कि एनबीएफसी का गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात मोटे तौर पर स्थिर रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके पीछे अनुकूल आर्थिक माहौल, कर्ज वितरण में लगातार वृद्धि, आवास ऋण और सोने के बदले दिए जाने वाले ऋण जैसे कम जोखिम वाले सुरक्षित कर्ज की ओर बढ़ता रुझान तथा कर्ज देने से पहले जांच और जोखिम नियंत्रण के कड़े उपाय प्रमुख कारण हैं। हालांकि, फिच ने कहा कि लंबे समय से जारी भू–राजनीतिक जोखिमों और 2026 में कमजोर मानसून के कारण छोटी कंपनियों और ग्रामीण क्षेत्रों को दिए जाने वाले कर्ज में निकट भविष्य में कुछ कमजोरी आ सकती है। एजेंसी के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि और अनुकूल नीतिगत ढांचे से कर्ज की मांग बनी रहने की उम्मीद है।

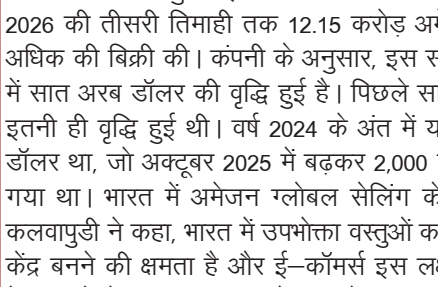

एशिया कप राइजिंग स्टार्स : श्रीलंका के खिलाफ सेमी फाइनल में उतरेगी भारत ए, सूर्यवंशी पर नजरें

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को भारत ए का मुकाबला टूर्नामेंट में अपराजेय श्रीलंका से होगा। पिछले मैच में रिकॉर्डतोड़ दोहरा शतक जड़ने वाले वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी। हालांकि, जीत दर्ज करने के लिए भारतीय टीम को एकजुट प्रदर्शन करना होगा क्योंकि कई मुख्य खिलाड़ी खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

रिकॉर्डतोड़ दोहरा शतक जड़ने वाले वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी लेकिन भारत ए को श्रीलंका के खिलाफ बृहस्पतिवार को एशिया कप राइजिंग स्टार्स सेमीफाइनल में एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सूर्यवंशी ने यूएई के खिलाफ पिछले मैचों में लिस्ट ए क्रिकेट के कई रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए 53 गेंद में 28 छक्कों और सात चौकों की मदद से 204 रन बनाये। भारत ने पाकिस्तान से मिली हार के बाद इस मैच के जरिये शानदार वापसी की। पहले मैच में नेपाल को 26 रन पर आउट करने वाले भारतीय गेंदबाज पाकिस्तान के सामने दबाव में नजर आये। पाकिस्तान ने 300 पार का स्कोर बनाकर 48 रन से जीत दर्ज की। यूएई ने भी आठ विकेट पर 249 रन बना डाले थे लेकिन बल्लेबाजों की मददगार पिच पर सूर्यवंशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई। भारतीय टीम के लिये आयुष बडोनी का खराब फॉर्म चिंता का विषय है जिन्होंने दो रन बनाने के बाद पिछले मैच में खाता भी नहीं खोला। रिंकू सिंह भी नौ और छह रन ही बना सके। ऐसे में कप्तान तिलक वर्मा पर दबाव बढ़ गया है जिन्होंने दो मैचों में शतक लगाये लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 100 रन बनाने में 149 गेंदें खेल डाली। उन्हें अपना स्ट्राइक रेट बेहतर करना होगा। भारतीय तेज गेंदबाजों हर्षित राणा और प्रिंस यादव ने सात सात विकेट लिये हैं लेकिन महंगे भी साबित



हुए। भारत भले ही अपने सितारा खिलाड़ियों के साथ उतरा हो लेकिन वे अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। दूसरी ओर श्रीलंका टूर्नामेंट में अपराजेय रही है। श्रीलंका के निशान मदुश्का, लसिथ क्रूसपुले और कप्तान पवन रत्नायके ने बल्लेबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं वानुजा साहन भी काफी उपयोगी खिलाड़ी साबित हुए हैं।

टीमें :

भारत ए

तिलक वर्मा (कप्तान), कुमार कुशाग्र, प्रभसिमरन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, हर्ष दुबे, तनुष कोटियान, शाहबाज अहमद, सूर्यांश शेडगे, अर्शद खान , हर्षित राणा, विपराज निगम, प्रिंस यादव।

श्रीलंका

पवन रत्नायके (कप्तान), लसिथ क्रूसपुले, निशान मदुश्का, निपुन धनंजय, एस षणमुगनाथन, सिनेथ जयवर्धने, रविंदु फर्नांडो, चमिका हीनातिगाला, जनिथ लियानागे, वानुजा साहन, लाहिरू समराकून, दुविंदु रणतुंगा, दुलाज समुदिता, गारूका संकेत, विजयकांत वियासकांत।

मैच का समय : दोपहर 3 . 30 से।

आईपीएल नीलामी में 66 स्लॉट के लिए मचेगी होड़, एलएसजी के पास सबसे बड़ा 47.45 करोड़ का पर्स

बीसीसीआई ने आईपीएल नीलामी के लिए 1,220 खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की पुष्टि की है। सभी 10 टीमों के पास 66 खाली स्लॉट भरने के लिए कुल 295.60 करोड़ रुपये बचे हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स 47.45 करोड़ रुपये के सबसे बड़े पर्स के साथ उतरेगी, जबकि गुजरात टाइटंस के पास सबसे कम 8.75 करोड़ रुपये की राशि बची है। बीसीसीआई ने बुधवार को पुष्टि की कि आगामी IPL 2027 नीलामी के लिए कुल 1,220 खिलाड़ियों ने अपना नाम दर्ज कराया है। उम्मीद के मुताबिक, रजिस्ट्रेशन कराने वालों में भारतीय खिलाड़ियों की संख्या सबसे ज्यादा है; 939 क्रिकेटरों ने नीलामी के लिए अपना नाम दिया है। इसके अलावा, 281 विदेशी खिलाड़ियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे नीलामी में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी नए सीजन से पहले अपनी टीमों को मजबूत करना चाहेंगी। सभी टीमों के पास कुल मिलाकर 295.60 करोड़ रुपये बचे हैं। टीमों में अभी 66 जगहें खाली हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट शामिल हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के पास नीलामी के लिए सबसे ज्यादा 47.45 करोड़ रुपये बचे हैं। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (41.65 करोड़ रुपये) और सनराइजर्स हैदराबाद (40.15 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। दिल्ली कैपिटल्स के पास 39.50 करोड़ रुपये, मुंबई इंडियंस के पास 30.25 करोड़ रुपये और चेन्नई सुपर किंग्स के पास खर्च करने के लिए 28.05 करोड़ रुपये बचे हैं। टेबल के दूसरे छोर पर, गुजरात टाइटंस के पास अब सबसे कम, यानी 8.75 करोड़ रुपये बचे हैं, जबकि वे अपनी मौजूदा टीम पर 121.25 करोड़ रुपये खर्च कर चुके हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 14.15 करोड़ रुपये बचे हैं, और पंजाब किंग्स के पास 18.60 करोड़ रुपये हैं। खाली स्लॉट की बात करें तो, क्ब और ड्प को सबसे ज्यादा खिलाड़ियों को शामिल करना है; दोनों के पास नौ–नौ स्लॉट खाली हैं। KKR के पास आठ स्लॉट खाली हैं, जबकि LSG और SRH के पास सात–सात स्लॉट खाली हैं। RCB के पास विदेशी खिलाड़ियों के लिए सबसे कम, यानी सिर्फ एक स्लॉट बचा है। CSK,GT, MI और PBKS में से प्रत्येक टीम दो–दो विदेशी खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जबकि DC के पास विदेशी खिलाड़ियों के लिए चार स्लॉट खाली हैं। नीलामी टीमों को अपनी स्क्वॉड की कमियों को दूर करने और ऐसे कॉम्बिनेशन तैयार करने का मौका देती है, जिनसे उन्हें उम्मीद है कि वे अगले साल IPL ट्रॉफी जीत सकेंगी।



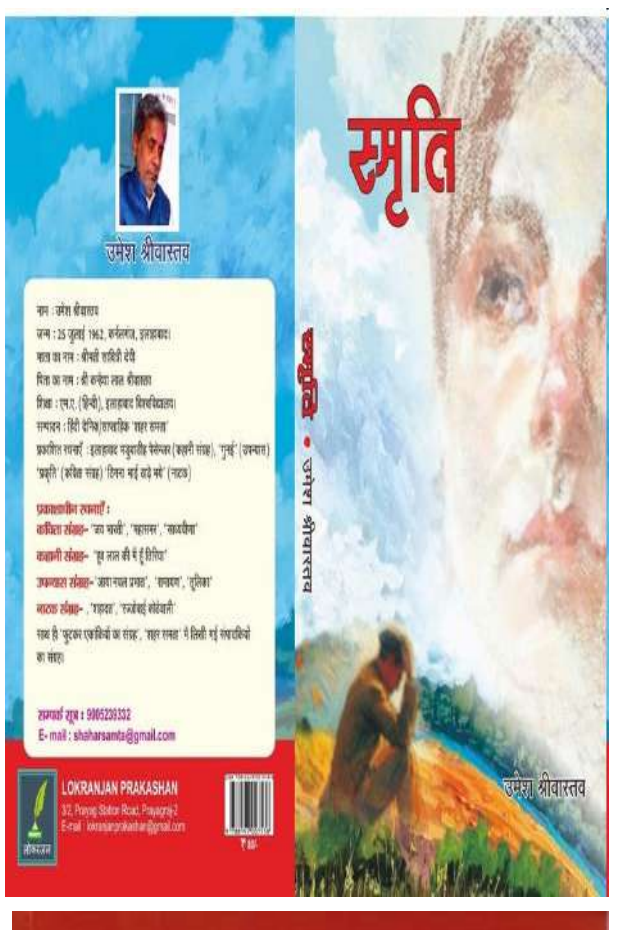

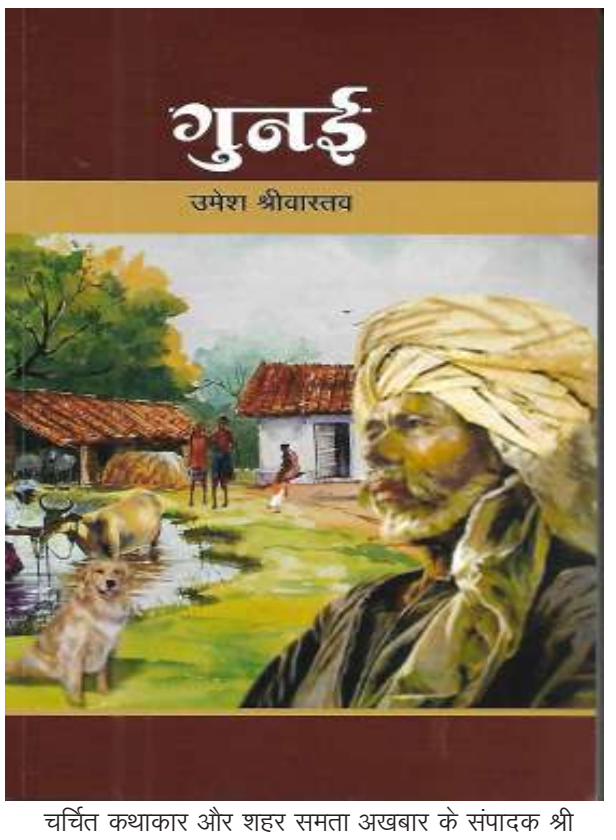

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

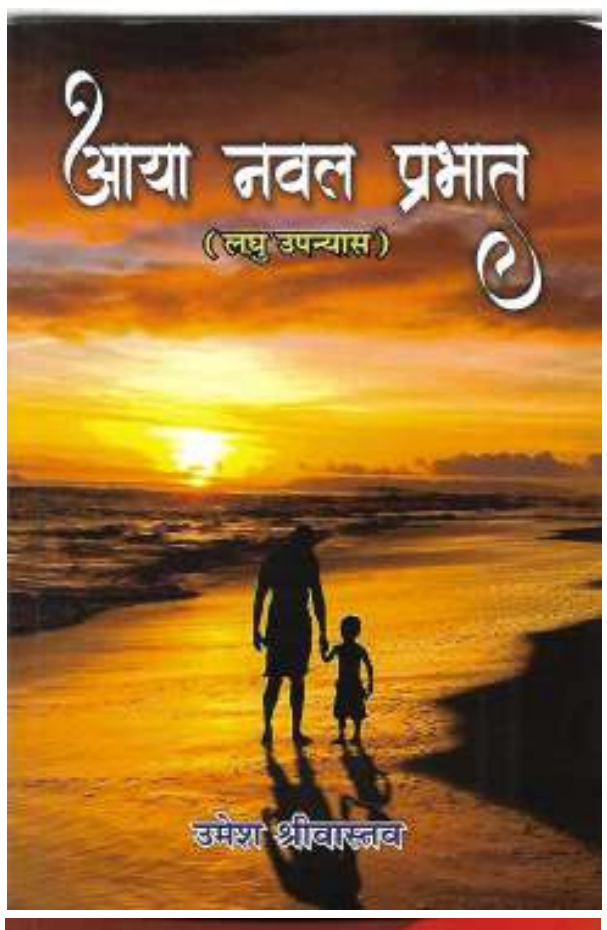

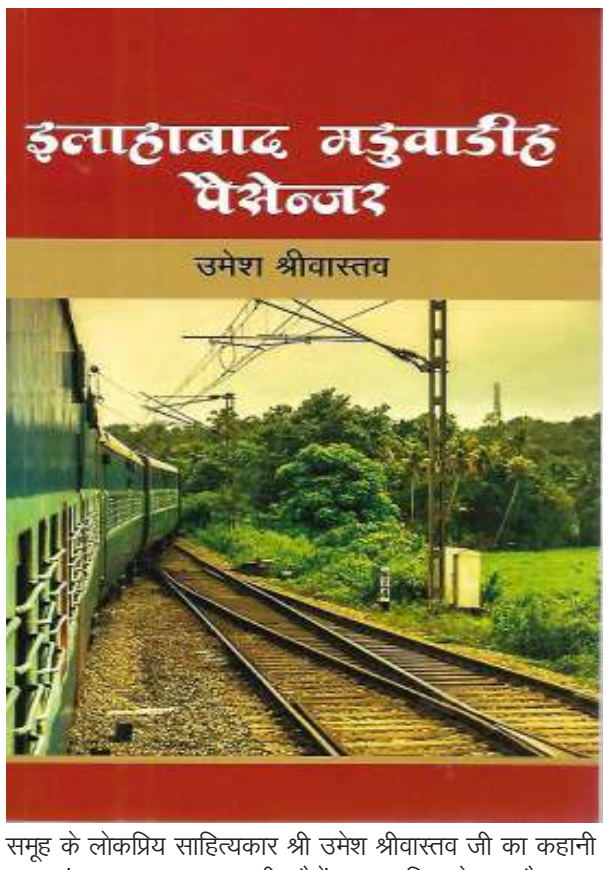

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

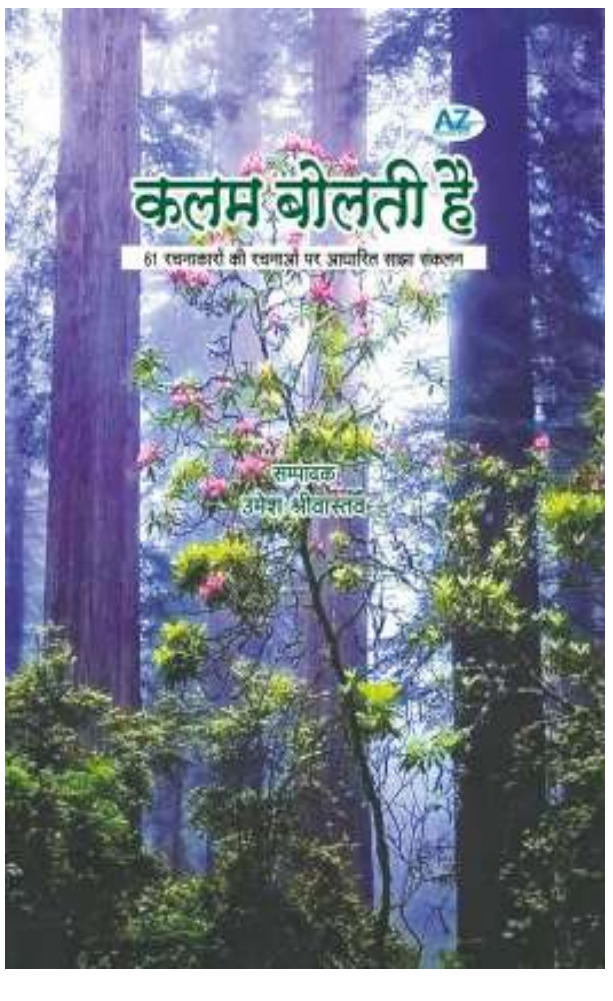

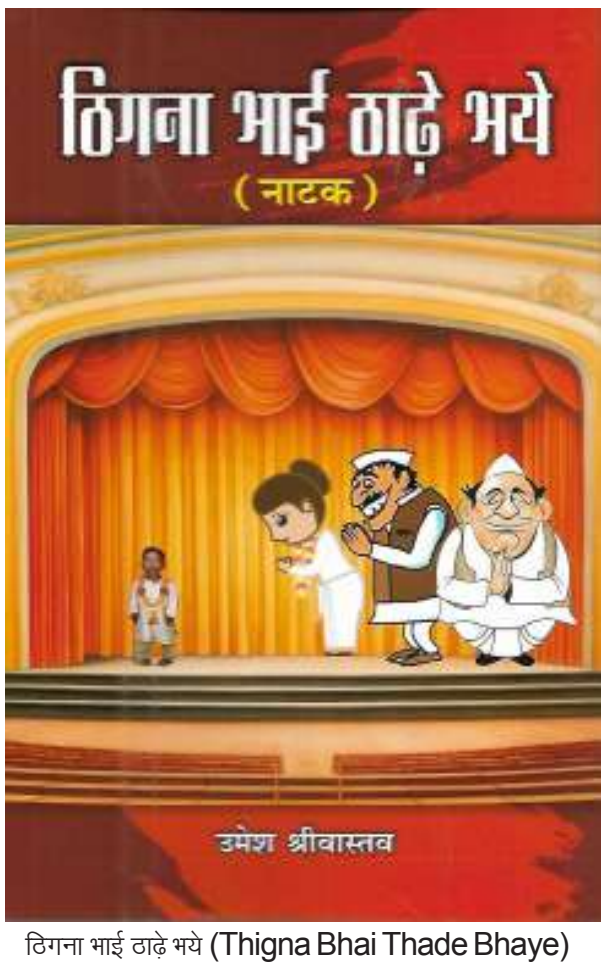

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

नया टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी में ट्रंप, निशाने पर हैं भारत समेत ये 16 देश, किन सेक्टरों पर पड़ेगा असर?



वॉल स्ट्रीट जर्नल की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका भारत, चीन और कई अन्य देशों पर इसी हफ्ते टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने पर विचार कर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ये देश जरूरत से ज्यादा औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे अमेरिकी व्यवसायों को नुकसान पहुंचा है।

भारत पर लग सकता है ज्यादा टैरिफ

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर, भारत सहित 16 अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में अपने कार्यालय द्वारा 11 मार्च को शुरू की गई जांच के नतीजों की घोषणा कर सकते हैं। यह जांच 1974 के ट्रेड एक्टश की धारा 301 के तहत शुरू की गई थी। यह धारा अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार देती है कि अगर कोई देश अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल पाया जाता है, तो उस पर टैरिफ लगाया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीर का तर्क है कि इन अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी सब्सिडी और अन्य तरह की मदद के कारण औद्योगिक क्षमता जरूरत से ज्यादा बढ़ गई है। इससे वहां की कंपनियों को वैश्विक बाजारों में सस्ते सामान की भरमार करने और अमेरिकी निर्माताओं को नुकसान पहुंचाने का मौका मिल गया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया की तुलना में भारत और वियतनाम पर कहीं ज्यादा टैरिफ लग सकता है। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के लिए यह दर 15: या उससे कम रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में भारत के लिए प्रस्तावित टैरिफ दर के बारे में नहीं बताया गया है। वहीं, चीन पर कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक शुल्क लगने की संभावना है। भारत और अमेरिका एक अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। फरवरी में जिस ढांचे को अंतिम रूप दिया गया था, उस पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल श्इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्टश के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया था। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में उसके सामान पर बांग्लादेश, वियतनाम और कंबोडिया जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ लगे। इससे पहले, अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया था कि उसे अन्य समान अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में टैरिफ के मामले में काफी फायदा मिलेगा। हालांकि, यह काफी हद तक अंतिम टैरिफ ढांचे पर निर्भर करेगा, क्योंकि प्रस्तावित समझौते को लेकर बातचीत अभी भी जारी है। समाचार एजेंसी ।छप् ने एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया है कि इस व्यापार समझौते में उसे अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में टैरिफ के मामले में फायदा मिलेगा। अब देखना होगा कि टैरिफ का ढांचा किस तरह तय होता है। अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है और भारत चालू वित्त वर्ष (थ्ल्) के अंत तक इस समझौते के पहले चरण को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि साथ ही एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते (ठज।) पर भी बातचीत चल रही है। अधिकारी ने ।छप् को यह भी बताया कि शुरुआती पैकेज में सेवाओं (मतअपबमे) से जुड़े मुद्दे शामिल नहीं होंगे; इन्हें दूसरे चरण में लिया जाएगा और अंततः ये एक बड़े ठज। का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने बताया कि अंतिम समझौता एक कानूनी दस्तावेज के रूप में होगा, जिसमें एनेक्सचर (अनुबंध) होंगे और साथ ही कस्टम्स (सीमा शुल्क) तथा व्यापार सुगमता (जतंकम बिपसपजंजपवद) पर एक अलग अध्याय भी शामिल होगा। भारत और अमेरिका इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। भारत इस समझौते को लेकर बहुत सतर्क है और अपने हितों की रक्षा करना चाहता है। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में उसके सामान पर प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर टैरिफ दरें मिलें।

संक्षिप्त

सोने की खदान में घुसा नदी का पानी, 29 खनिक फंसे

इंडोनेशिया में सोने की एक अवैध खदान में एक दिन से अधिक समय पहले आई बाढ़ के बाद 29 खनिकों के फंसे होने की आशंका है। बचावकर्मी बुधवार को उनकी तलाश में जुटे रहे। पश्चिम जावा प्रांत के बोगोर जिले में खनन क्षेत्र में सोमवार को भारी बारिश के कारण सिसेरेह नदी का पानी खदान के सुरंगनुमा हिस्से में घुस गया। उस समय खनिक सोने के कण निकालने के लिए खुदाई कर रहे थे। अधिकारियों ने यह पुष्टि नहीं की है कि कोई खनिक बाहर निकलने में सफल हुआ या नहीं। साथ ही, उनकी स्थिति के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस खदान की गहराई करीब 100 मीटर (330 फुट) बताई गई है। यह राजधानी जकार्ता के दक्षिण में स्थित है। बुधवार तड़के बाढ़ की सूचना मिलने के बाद बचाव दल ने अभियान शुरू किया। पानी निकालने के लिए विशेष पंप लगाए गए और उन रास्तों को बंद करने की कोशिश की गई, जहां से जमीन के भीतर का पानी खदान में रिस रहा था। जकार्ता खोज एवं बचाव एजेंसी की प्रमुख देसियाना कार्तिका बहारी ने एक बयान में कहा, खदान के भीतर पानी का स्तर अभी कम नहीं हुआ है और इसे निकालने में काफी समय लगने की आशंका है। उन्होंने कहा कि खदान की गहराई, अंदर जाने का संकरा रास्ता और रोशनी की सीमित व्यवस्था ऐसे कारक हैं, जिन्हें बचाव अभियान की रणनीति तय करते समय ध्यान में रखा जा रहा है, ताकि बचावकर्मी सुरक्षित तरीके से काम कर सकें। इंडोनेशिया में अनौपचारिक रूप से खनन का काम आम है। इससे हजारों लोगों को आजीविका मिलती है, लेकिन इस काम में गंभीर रूप से घायल होने या जान गंवाने का खतरा बना रहता है। भूस्खलन, बाढ़ और सुरंगों का ढहना खनिकों के सामने मौजूद कुछ प्रमुख खतरे हैं। सोने के अयस्क के प्रसंस्करण में पारे और साइनाइड जैसे अत्यधिक जहरीले रसायनों का इस्तेमाल होता है। इस काम में लगे श्रमिक अक्सर बहुत कम या बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम करते हैं।

पोप फ्रांसिस की निजी डायरी पुस्तक रूप में प्रकाशित, पादरियों के यौन शोषण पर दर्द और आध्यात्मिक संकट दर्ज

वेटिकन ने पोप फ्रांसिस की निजी डायरी एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित की है जिसमें पादरियों से जुड़े यौन शोषण के मामलों की सच्चाई सामने आने पर उनकी पीड़ा और उनके धार्मिक जीवन के दौरान उन्हें कई बार शैतान दिखाई देने जैसी अनुभूतियों का जिक्र है। वेटिकन ने मंगलवार को यह पुस्तक प्रकाशित की जिसका नाम है 'द प्राइवेट डायरी ऑफ पोप फ्रांसिस'। पुस्तक में इस बात का जिक्र है कि अर्जेंटीना के रहने वाले पोप फ्रांसिस 2021–22 के दौरान गहरे आध्यात्मिक संकट से गुजरे थे। यह संकट असीमित सत्ता का इस्तेमाल करने के उनकी अपनी लालसा से जुड़ा था। उन्होंने स्वयं को पूरी तरह ईश्वर की कृपा पर छोड़कर इस संकट पर काबू पाया। दुनियाभर में कई भाषाओं में जारी की गई यह पुस्तक फ्रांसिस के मन और हृदय की गहराइयों में झांकने का अवसर देती है। इसमें उनके मन के गहरे भय, असुरक्षा की भावनाओं, सपनों और प्रलोभनों का खुलासा किया गया है। पुस्तक से पता चलता है कि फ्रांसिस स्वयं के प्रति बेहद कठोर थे। वह अपनी निरर्थकता और शर्मिंदगी की भावना से व्यथित रहते थे लेकिन उन्हें पूरा विश्वास था कि ईश्वर निराशा की गहराइयों से भी उन्हें बाहर निकालकर सही मार्ग दिखाएंगे। इस पुस्तक का संकलन उनके करीबी सहयोगी कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज ने किया है। अर्जेंटीना के धर्मशास्त्री फर्नांडीज वेटिकन के धार्मिक सिद्धांतों से संबंधित विभाग के प्रमुख हैं। उन्होंने लिखा है कि फ्रांसिस स्वयं चाहते थे कि उनके इन लेखों को प्रकाशित किया जाए। फर्नांडीज को पुस्तक के लेखक के रूप में नामित किया गया है, क्योंकि उनकी टिप्पणियां फ्रांसिस की डायरी में दर्ज बातों का संदर्भ स्पष्ट करती हैं। चमड़े की जिल्द वाली एक कॉपी में लिखी गई यह डायरी 1992 से शुरू होती है, जब होर्खे मारियो बेर्गोग्लियो ब्यूनस आयर्स के सहायक बिशप थे। इसमें अर्जेंटीना की राजधानी में कार्डिनल के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर पोप बनने तक का विवरण है। डायरी में अंतिम बार 18 अगस्त 2024 को कुछ लिखा गया था। पुस्तक के सबसे मार्मिक अंशों में फ्रांसिस ने अपनी आध्यात्मिक पीड़ा और उन अनुभवों का खुलासा किया है, जिन्हें उन्होंने शैतान से सामना होने के रूप में वर्णित किया है। ये अनुभव बेहद तीव्र, वास्तविक जैसे और भयावह प्रतीत होते हैं।

यूएनएससी में भारत ने उठाया एआई और तकनीक के दुरुपयोग का मुद्दा, चेताया

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने निर्यात नियंत्रण और लाइसेंसिंग व्यवस्थाओं के जरिए रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर चिंता जताई और 'ग्लोबल साउथ' के देशों को केवल उपभोक्ता मानने की प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि तकनीकी बदलावों से मौजूदा असमानताएं और गहरी नहीं होनी चाहिए। भारतीय राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'तेजी से बदलते तकनीकी दौर में संघर्ष समाधान' विषय पर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने से संबंधित उच्चस्तरीय खुली बहस को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणालियां अनजाने में लैंगिकता, भाषा और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से जुड़े पूर्वाग्रहों को बनाए रख सकती हैं।

ब्रिटेन में बदलेगा 'एज ऑफ कंसेंट' का कानून?

रसेल ब्रांड और हाई-प्रोफाइल मामलों के बाद सरकार ने जनता से मांगी राय



रसेल ब्रांड को दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराए जाने सहित हाल के कई हाई–प्रोफाइल मामलों ने ब्रिटेन सरकार को देश में यौन सहमति (सेक्सुअल कंसेंट) की कानूनी उम्र बदलने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। बीबीसी के अनुसार, प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम की सरकार ने आम जनता से इस बात पर राय मांगी है कि क्या सहमति की उम्र को अलग–अलग श्रेणियों (स्टैगर) में बांटा जाना चाहिए या नहीं। वर्तमान में पूरे ब्रिटेनकृ इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंडकृमें सहमति की उम्र 16 वर्ष है। यह लैंगिक पहचान या यौन रुझान (सेक्सुअल ओरिएंटेशन) की परवाह किए बिना सभी पर समान रूप से लागू होती है। सहमति की उम्र पर पुनर्विचार करने की यह मांग उन सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा उठाई गई थी, जिनका तर्क है कि संबंध बनाने वाले लोगों के बीच उम्र के अंतर के आधार पर अलग–अलग आयु सीमाएं लागू होनी चाहिए। रसेल ब्रांड के मामले में, उनकी उम्र 31 वर्ष थी, जबकि जिस महिला ने उन पर बहलाने–फुसलाने (ग्रूमिंग) और दुष्कर्म का आरोप लगाया, उसकी उम्र 16 वर्ष थी। बीबीसी ने आगे बताया कि ब्रिटेन सरकार नॉन–डिस्क्लोजर एग्रीमेंट्स (NDAs – गोपनीयता समझौतों) पर भी नई सीमाएं लगाने की घोषणा कर रही है। एनडीए की सीमाओं में संशोधन की पुरजोर वकालत करते हुए, बर्नहम ने श्द गार्जियनश में लिखे एक लेख में कहा एनडीए का उद्देश्य संवेदनशील व्यावसायिक जानकारी या वाणिज्यिक हितों की रक्षा करना होना चाहिए। इनका इस्तेमाल उन प्रभावशाली पुरुषों को बचाने के लिए नहीं होना चाहिए जिन्होंने महिलाओं का शोषण, उत्पीड़न या उनके साथ भेदभाव किया है। सीबीएस न्यूज़ ने ब्रिटिश कार्य और पेंशन मंत्री पैट मैकफैडेन के हवाले से कहा कि ब्रैंड से जुड़ी घटनाओं को शक्तिशाली पुरुषों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की भयावह कहानियाँ माना जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस पर एक नया कानून लाने के बारे में विचार किया जाना चाहिए। मैकफैडेन ने कहा कि कई अन्य देशों में अलग–अलग उम्र की सहमति की व्यवस्था लागू है और यूके भी इस तरीके पर चर्चा करेगा। ब्रांड के अलावा, जिन्हें साढ़े 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, एक और ब्रिटिश टेलीविजन हस्ती डेविड विलियम्स पर भी कम उम्र की लड़कियों को बहलाने–फुसलाने और महिला सहकर्मियों को परेशान करने के आरोप लगे हैं। दोनों ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है। अगर नए कानून पास हो जाते हैं, तो 18 साल या उससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति 16 से 18 साल के बीच के किसी व्यक्ति के साथ यौन संबंध बना सकेगा, भले ही उसने मौखिक रूप से सहमति दी हो या नहीं। यूके श्एज ऑफ कंसेंटश (सहमति की उम्र) के नियमों में ढील देने की तैयारी कर रहा है और इस सिलसिले में वह दूसरे देशों के कानूनों को देख रहा है। उदाहरण के लिए, कनाडा में यौन गतिविधियों के लिए सहमति की उम्र 16 साल है, लेकिन इससे कम उम्र के लोगों के मामले में नियम अलग हैं। अमेरिका के आठ राज्यों इडाहो, लुइसियाना, मैसाचुसेट्स, मिसिसिपी, मिसौरी, नेवादा, नॉर्थ डकोटा और फ्लोरिडा में सहमति की उम्र को लेकर अलग–अलग नियम हैं।

व्हाइट हाउस के ठीक ऊपर पुतिन ने लगाया परमाणु बम, ट्रंप के उड़े होश!

आसमान में सिर्फ चांद ही नहीं अब रूस का न्यूक्लियर बम भी है और अगर अंतरिक्ष में न्यूक्लियर बम फट गया तो क्या धरती पर बैठे करोड़ों लोगों का इंटरनेट जीपीएस और कम्युनिकेशन एक झटके में ठप हो सकता है और क्या दुनिया के पास इसे रोकने का कोई तरीका होग? रूस को लेकर ऐसी ही एक चौंकाने वाली इंटेलिजेंस रिपोर्ट सामने आई है। दावा है कि रूस एक ऐसा सेटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी कर सकता है जिसमें न्यूक्लियर वेपन होगा। इसका नाम बताया जा रहा है स्पुतनिक एस। लेकिन सवाल है कि आखिर रूस को अंतरिक्ष में परमाणु हथियार भेजने की जरूरत क्यों पड़ेगी? अगर ऐसा हुआ तो क्या सिर्फ दुश्मन देशों के सेटेलाइट्स ही खतरे में होंगे। दरअसल जर्मनी की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस का स्पुतनिक सेटेलाइट कई साल पहले ही तैयार हो चुका था। इसे मॉस्को रीजन में स्टोर करके रखा गया है और दावा है कि इसे दिसंबर 2026 तक अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। इसके अलावा अक्टूबर 2026 में अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी यानी डीआईए ने भी अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि रूस ऐसा सेटेलाइट डेवलप कर रहा है जो न्यूक्लियर वॉर हेड ले जा सकता है। हालांकि आपको बता दें यह इंटेलिजेंस असेसमेंट्स और मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित दावे हैं। रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। क्रमलिन के प्रवक्ता डिमिट्री पेस्कोव ने इन खबरों को बेबुनियाद बताया है। रूस की बोर्लिन एंबेसी ने भी इन्हें प्रोपगेंडा कैंपेन कहा है। राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन पहले भी कह चुके हैं कि रूस अंतरिक्ष में न्यूक्लियर वॉर हेड तैनात करने के खिलाफ है। जमीन पर न्यूक्लियर बम फटने से भारी तबाही होती है। लेकिन अंतरिक्ष में इसका असर अलग हो सकता है। वहां एक न्यूक्लियर ब्लास्ट से पहले वाली रेडिएशन और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स यानी ईएमपी बड़ी संख्या में सेटेलाइट को नुकसान पहुंचा सकती है। यह सेटेलाइट सिर्फ तस्वीरें लेने या सेना की जासूसी करने के काम नहीं आते। जीपीएस से लेकर मोबाइल कम्युनिकेशन,



इंटरनेट, वेदर फॉरकास्ट और बैंकिंग जैसी सेवाएं भी सेटेलाइट सिस्टम्स पर निर्भर करती हैं। यानी अंतरिक्ष में हुआ एक धमाका धरती पर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को भी प्रभावित कर सकता है। अब समझते हैं कि रूस ऐसा कदम क्यों उठाना चाहेगा। पहली वजह है अमेरिका और उसके सहयोगियों की सेटेलाइट ताकत को चुनौती देना। आज वेस्टर्न कंट्रीज अपनी सेना में जीपीएस, पाई सैटेलाइट्स, ड्रोंस और सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। अगर इन सिस्टम्स को नुकसान पहुंचता है तो उनकी मिलिट्री ऑपरेशंस पर बड़ा असर पड़ सकता है। दूसरी वजह है दबाव बनाने की ताकत। मान लीजिए किसी बड़े युद्ध में रूस के पास ऐसे हथियार मौजूद हैं जो अंतरिक्ष में मौजूद सेटेलाइट्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं तब वह सिर्फ हथियार के इस्तेमाल की धमकी देकर भी दूसरे देशों पर दबाव बना सकता है।

मिसिसिपी में हॉर्न आइलैंड के पास विमान क्रैश, 2 बच्चों समेत 6 लोग लापता

मिसिसिपी के हॉर्न आइलैंड के पास एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, दो बच्चों सहित छह लोगों के लापता होने की आशंका है। इसके चलते अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिकी कोस्ट गार्ड हार्टलैंड ने बताया कि उनकी टीमें दुर्घटनाग्रस्त हुए श्सेसना सेंचुरियन 210श विमान की तलाश कर रही हैं। यह विमान हॉर्न आइलैंड से लगभग दो मील उत्तर–पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। कोस्ट गार्ड के अनुसार, मोबाइल (डवइपसम) में तैनात उनके कर्मियों को मंगलवार को फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (थ।।) से इस घटना की सूचना मिली। कोस्ट गार्ड ने कहा,



मंगलवार को मोबाइल में तैनात हमारे कर्मियों को थ।। से एक रिपोर्ट मिली, जिसके बाद हमारी बचाव टीमें हॉर्न आइलैंड (मिसिसिपी) से 2 मील उत्तर–पूर्व में उस श्सेसना सेंचुरियन 210श विमान की तलाश कर रही हैं, जिसमें 6 लोग सवार थे। थ।। के प्रवक्ता ने फॉक्स न्यूज़ डिजिटल को पुष्टि की कि यह विमान मिसिसिपी के पास्कागौला (ब्बिंहवनसं) के दक्षिण–पश्चिम में, स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 3रू30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि थ।। और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (छज्ैठ) इस घटना की जांच करेंगे। छज्ैठ इस जांच का नेतृत्व करेगा और आगे की जानकारी देगा। हालांकि, फॉक्स न्यूज़ द्वारा बताई गई स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विमान में चार वयस्क और आठ से 12 साल की उम्र के दो बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि दुर्घटना से पहले विमान लगभग 10,000 फीट प्रति मिनट की दर से नीचे आ रहा था। यह विमान न्यू ऑरलियन्स लेकफ्रंट एयरपोर्ट से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स स्थित पेज फील्ड जा रहा था, तभी स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 3:45 बजे यह थ।। के रडार से गायब हो गया। शाम लगभग 5रू40 बजे तक, कोस्ट गार्ड की टीमों को मलबे के कई टुकड़े मिल गए, जिनमें विमान का केबिन, एक लाइफ राफ्ट और तीन लाइफ जैकेट शामिल थे।

रियाद के फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट पर हूती का अटैक, 2 भारतीयों समेत 11 घायल

यमन के हूती मिलिशिया ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद के फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में एक टावर को निशाना बनाया, जिसमें 11 लोग घायल हो गए। घायलों में दो सऊदी नागरिक, दो भारतीय नागरिक, तीन नेपाली और चार मिस्र के नागरिक शामिल हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

